11 सितंबर 2025

गुरुवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

हंगामेदार रही नप की बैठक, सात एजेंडों पर लगी मुहर 3



## नेपाल में कर्फ्यू के बावजूद हिंसक प्रदर्शन, बॉर्डर पर बढ़ाई गई सुरक्षा

**एजेंसी।अररिया**

नेपाल में सोशल मीडिया के 26 प्लेटफॉर्म पर लगे प्रतिबंध को हटा दिए जाने के बावजूद आज दूसरे भी जेन-जी का प्रदर्शन पूरे देश में जारी रहा। काठमांडू से लेकर विराटनगर, बीरगंज सहित सभी शहरों और ग्रामीण इलाकों में प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी कार्यालय में तोड़फोड़ की साथ ही उन्हें आग के हवाले कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच जमकर पथराव भी हुआ। भारत से सटे बॉर्डर इलाकों में भी प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया और कई पुलिस चौकी सहित सरकारी वाहनों को आग के हवाले कर दिया। नेपाल के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अब प्रदर्शनकारियों के निशाने पर हैं।

उनके घरों पर कब्जा किया जा रहा है और आवास को भी आग के हवाले किया गया है। नेपाल में बिगड़े हालात के बीच भारत नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बॉर्डर पर भारी संख्या में एसएसबी जवानों की तैनाती कर दी गई है। साथ ही पोरस बॉर्डर पर सीमा से लगने वाले पुलिस थाना के साथ एसएसबी के जवानों के द्वारा लगातार गश्ती की जा रही है। काठमांडू में संसद भवन के बाहर आज दिनभर प्रदर्शन होता रहा। संसद भवन में तोड़फोड़ और आगजनी की गई। प्रधानमंत्री के खिलाफ सुबह से पूरे नेपाल में प्रदर्शन औ नारेबाजी होती रही। मंगलवार की सुबह कुछ इलाकों में कर्फ्यू हटाया गया था। लेकिन हालात बिगड़ता देख कर्फ्यू फिर से लगा दिया गया। बावजूद इसके प्रदर्शनकारी कर्फ्यू के बावजूद सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करते रहे। नेपाल के संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगे प्रतिबंध हटा लिए जाने के घोषणा कर दी। इसके बावजूद जेन जी का प्रदर्शन नहीं थमा।

### नेपाल में तख्तापलट के बाद जेल तोड़कर भागने लगे कैदी

अररिया। नेपाल की जलेश्वर जेल से फरार 10 कैदी भारत में घुसपैठ की कोशिश करते हुए एसएसबी के हत्थे चढ़े। कैदियों में 8 नेपाली और 2 भारतीय शामिल हैं। मामले के बाद सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में इस समय राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल मची हुई है। राजधानी काठमांडू से लेकर ग्रामीण इलाकों तक विरोध-प्रदर्शन की आग फैली हुई है। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुए आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया है। हालात ऐसे हो गए कि प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट को आग के हवाले कर दिया, जिसके बाद देश की कमान नेपाली सेना के हाथ में सौंप दी गई है। इस बवाल के बीच महोत्तरी जिले के जलेश्वर जेल से एक बड़ा जेलब्रेक कांड सामने आया है। कैदी सीमा पार कर चोरी-छिपे भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। एसएसबी जवानों ने उन्हें हिरासत में लेकर भिट्ठा और सुरसंड थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए 10 कैदियों में 8 नेपाली और 2 भारतीय नागरिक शामिल हैं। प्राथमिक जांच में सभी को विचाराधीन बंदी बताया गया है।इस घटनाक्रम में 577 में से 576 कैदी फरार हो गए, जबकि केवल एक बंदी को नेपाल की सशस्त्र प्रहरी बल ने पकड़ पाया। जेल से भागे कुछ कैदी भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जहां एसएसबी की सतर्क निगरानी के चलते उन्हें पकड़ लिया गया।

## पीएम मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से की बातचीत

**एजेंसी/नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपनी इटालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर चर्चा की और इसके लिए उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। यूक्रेन युद्ध के अलावा, दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। पीएम मोदी ने इतालवी प्रधानमंत्री के साथ फोन पर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के उपायों और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की।प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर कहा, "प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और यूक्रेन युद्ध को जल्द समाप्त करने की अपनी साझा इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, "भारत-ईयू के बीच आपसी हितों पर आधारित व्यापार समझौते का समर्थन करने और आईएमईसी पहल के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में इटली के सक्रिय सहयोग के लिए पीएम मेलोनी का धन्यवाद। भारत और यूरोपीय संघ इस साल के अंत तक प्रस्तावित एफटीए को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। दोनों पक्ष इस सप्ताह नई दिल्ली में 13वें दौर की वार्ता कर रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ ने लगभग आठ वर्षों के अंतराल के बाद जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू की।

### बिहार विधानसभा का चुनाव से पहले मोदी सरकार का बड़ा तोहफा

# बिहार को मोदी सरकार का तोहफा, नए फोर लेन और रेलवे डबल लाइन का ऐलान

**एजेंसी/पटना**

बिहार में इस साल (2025) विधानसभा का चुनाव होना है. इससे पहले मोदी सरकार बिहार को बड़ा तोहफा दिया है. बुधवार (10 सितंबर, 2025) को मोदी कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसलों को लेकर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ब्रीफिंग की. उन्होंने 3,169 करोड़ रुपये की लागत से भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट रेल लाइन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी मिलने की बात बताई. इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के एक अहम हिस्से को भी मंजूरी मिली है. 4,447 करोड़ रुपये की लागत से मोकामा-मुंगेर सेक्शन को 4-लेन

ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड हाइवे के रूप में बनाया जाएगा. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "बिहार में अगर आप देखें तो गंगा जी के दक्षिण में बक्सर से लेकर भागलपुर तक ये कॉरिडोर है. यह दक्षिण बिहार का एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है. इस प्रोजेक्ट को देखें तो बक्सर से लेकर पटना तक अच्छा नेटवर्क है. आगे पटना से लेकर फतुहा तक और फतुहा से लेकर बेगूसराय तक, इस प्रोजेक्ट में कहीं सिक्स लेन है कहीं-कहीं फोर लेन है. करीब-करीब पूरा हो चुका है." आगे कहा, "आज जो प्रोजेक्ट अप्रूव हुआ है मोकामा से मुंगेर तक का सेक्शन है जो 82.4 किलोमीटर का है. आगे मुंगेर से फिर भागलपुर है जो पहले से ही निमार्णाधीन है. बहुत ही अच्छा प्रोजेक्ट है. इससे ओवरऑल एक घंटे का समय बजेगा." बता दें कि यह खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर होकर गुजरता है या कनेक्टिविटी प्रदान करता है जो भागलपुर से जुड़ता है।

### बक्सर से लेकर पटना तक अच्छा नेटवर्क

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, बिहार में अगर आप देखें तो गंगा जी के दक्षिण में बक्सर से लेकर भागलपुर तक ये कॉरिडोर है. यह दक्षिण बिहार का एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है. इस प्रोजेक्ट को देखें तो बक्सर से लेकर पटना तक अच्छा नेटवर्क है. आगे पटना से लेकर फतुहा तक और फतुहा से लेकर बेगूसराय तक, इस प्रोजेक्ट में कहीं सिक्स लेन है कहीं-कहीं फोर लेन है. करीब-करीब पूरा हो चुका है. आगे कहा, आज जो प्रोजेक्ट अप्रूव हुआ है मोकामा से मुंगेर तक का सेक्शन है जो 82.4 किलोमीटर का है. आगे मुंगेर से फिर भागलपुर है जो पहले से ही निमार्णाधीन है. बहुत ही अच्छा प्रोजेक्ट है. इससे ओवरऑल एक घंटे का समय बजेगा. बता दें कि यह खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर होकर गुजरता है या कनेक्टिविटी प्रदान करता है जो भागलपुर से जुड़ता है।

## भारत ने यूएई को 9 विकेट से हराया

**एजेंसी। नई दिल्ली**

भारत ने एशिया कप 2025 में धमाकेदार शुरूआत की है। टीम ने वअए के खिलाफ 58 रन का टारगेट सिर्फ 27 गेंदों में चेज कर लिया। यह भारत का सबसे तेज रन चेज है। अभिषेक शर्मा 30 रन बनाकर आउट हुए। जबकि शुभमन गिल 20 रन पर नाबाद लौटे। बुधवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। वअए 13.1 ओवर में 57 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने आखिरी 8 विकेट 11 रन बनाने में गंवा दिए। ओपनर आलिशान शराफु ने 22 और कप्तान मोहम्मद वसीम ने 19 रन बनाए। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 4 विकेट झटके। शिवम दुबे ने 3 विकेट लिए। कुलदीप प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।पारी में गेंद बाकी रहते हुए यह भारत की सबसे बड़ी जीत रही। टीम इंडिया ने वअए के खिलाफ दुबई में 27 गेंद (4.3 ओवर) में ही टारगेट हासिल कर लिया, यानी 93 गेंदें बाकी रह गईं। इससे पहले 2021 में स्कॉटलैंड के खिलाफ दुबई में ही भारत 81 गेंद बाकी रहते जीत गया था। टेस्ट प्लेइंग नेशंस में यह गेंद बाकी रहते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत रही। 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप में एंटीगुआ के मैदान पर इंग्लैंड ने ओमान को 19 गेंद में ही हरा दिया था। तब 101 गेंदें बाकी रह गई थीं। इस रिकॉर्ड में तीसरे नंबर पर श्रीलंका है, जिसने 2014 में चट्टोग्राम में नीदरलैंड को 90 गेंदें बाकी रहते हरा दिया था।

## गोवा में 1200 करोड़ की जमीन घोटाला मामले में ईडी की कार्रवाई, छापेमारी कर जब्त किए महंगी गाड़ियां-दस्तावेज

**एजेंसी। नई दिल्ली**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पणजी क्षेत्रीय कार्यालय ने यशवंत सावंत एवं अन्य के मामले में गोवा और हैदराबाद में 13 आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों में मंगलवार और बुधवार को छापेमारी की है। यह तलाशी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गोवा में कम्युनिडाड की भूमि पर अवैध कब्जा करने के संबंध में की गई है।ईडी ने अंजुना कम्युनिडाड की भूमि के अवैध अधिग्रहण के संबंध में आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत गोवा पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त

मामले की जांच शुरू की थी। आरोपियों ने गोवा के प्रमुख इलाकों में 1200 करोड़ रुपये की 3,50,000 वर्ग मीटर से ज्यादा जमीन हड़प ली। ईडी की जांच और तलाशी अभियान से पता चला है कि आरोपियों ने गोवा के अंजुना और असगांव जैसे प्रमुख इलाकों में स्थित 3,50,000 वर्ग मीटर से ज्यादा जमीन का अवैध रूप से अपने नाम पर म्यूटेशन कराया था। म्यूटेशन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पुराने और जाली दस्तावेज संबंधित अधिकारियों के पास जमा किए गए थे।

### स्वास्थ्य महानिदेशालय ने जारी किया निर्देश

# फिजियोथेरेपिस्ट को 'डॉक्टर' लिखने की अनुमति नहीं

**एजेंसी। नई दिल्ली**

फिजियोथेरेपिस्ट को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य महानिदेशालय ने अहम दिशा निर्देश जारी किए हैं। अब फिजियोथेरेपिस्ट को डॉक्टर (Dr.) लिखने की अनुमति नहीं होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य महानिदेशालय (डीजीएचएस)ने जारी आदेश में फिजियोथेरेपिस्ट के अपने नाम के साथ डॉक्टर लगाने पर रोक लगा दी है। महानिदेशालय ने भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) को भेजे पत्र में कहा है कि फिजियोथेरेपिस्ट

मेडिकल डॉक्टर नहीं हैं। इसलिए उन्हें यह उपाधि इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय चिकित्सा डिग्री अधिनियम 1916 के तहत कोई भी व्यक्ति अगर बिना मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री के डॉक्टर की उपाधि इस्तेमाल करता है तो यह अवैध है और उस पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। महानिदेशालय ने कहा कि फिजियोथेरेपी की नई पाठ्यक्रम पुस्तिका से तुरंत इसे हटाया जाए। इसके बजाय कोई सम्मानजनक लेकिन स्पष्ट उपाधि दी जा सकती है, जिससे मरीजों या आम जनता को भ्रम न हो। यह फैसला उस अप्रैल 2025 की अधिसूचना के बाद आया है, जिसमें नेशनल कमीशन फॉर एलाइड ऐंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स (NCAHP) ने फिजियोथेरेपिस्टों को अपने नाम के आगे 'Dr.' और नाम के बाद 'PT' लगाने की अनुमति दी थी। इसे लेकर नया विवाद खड़ा हो गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन सहित कई अन्य संगठनों ने इसका कड़ा विरोध किया।आईएमए की ओर से भी इसके खिलाफ शिकायत की गई। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुनीता शर्मा ने कहा कि कई अदालतों और मेडिकल काउंसिल ने पहले भी इस पर रोक लगाई है। साल 2003 में पटना हाईकोर्ट, 2016 में तमिलनाडु मेडिकल काउंसिल, 2020 में बंगलूरू कोर्ट और साल 2022 में मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि फिजियोथेरेपिस्ट अपने नाम के आगे डॉक्टर का इस्तेमाल नहीं कर सकते। सुनीता शर्मा ने बताया कि ऐसा करना इंडियन मेडिकल डिग्री एक्ट 1916 का उल्लंघन होगा।

अनियमितता बर्दाश्त नहीं, छापेमारी और कठोर कार्रवाई का दिया निर्देश

# बक्सर में उर्वरक माफियाओं पर जिलाधिकारी की सख्त, शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई

**केटी न्यूज/बक्सर**

जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी और अनियमित वितरण की लगातार शिकायतों पर अब प्रशासन ने सख्त तेवर दिखाए हैं। समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में उर्वरक विक्रेताओं और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े लोगों को साफ चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि उर्वरक वितरण में किसी तरह की धांधली पाई गई तो संबंधित पदाधिकारी से लेकर कर्मचारी और विक्रेता तक किसी को बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिक से अधिक उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कराई जाए। उन्होंने कहा कि छापेमारी दल को नियमित रूप से सक्रिय रखा जाए ताकि किसानों को समय पर और निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो सके। यदि जांच के दौरान कहीं भी अनियमितता सामने आती है तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ तुरंत कठोर कार्रवाई की जाए।

### पैक्स तक पहुंचेगा उर्वरक

किसानों तक उर्वरक की सीधी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को आदेश दिया कि पैक्स को कम-से-कम 15 प्रतिशत उर्वरक आपूर्ति अनिवार्य रूप से कराई जाए। इसके लिए थोक विक्रेताओं को औपचारिक पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि पैक्स को मजबूत करने से किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और बिचौलियों पर अंकुश लगेगा।

### नमूना जांच बढ़ाने पर जोर

बैठक में उर्वरक की गुणवत्ता को लेकर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निरीक्षकों को अधिक से अधिक नमूने लेने का निर्देश दिया ताकि मिलावटी या घटिया उर्वरक की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ छल करने वालों के खिलाफ प्रशासन जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगा।

### यूरिया वितरण पर निगरानी

यूरिया की कमी और गलत वितरण की शिकायतों पर जिलाधिकारी ने विशेष चिंता जताई। उन्होंने साफ कहा कि यदि यूरिया वितरण में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित पदाधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी। किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

### जीरो टॉलरेंस की नीति

जिलाधिकारी ने अंत में पुनः दोहराया कि उर्वरक वितरण प्रणाली में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों का शोषण करने वालों पर अब सीधे प्रहार होगा। बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी गई कि यदि शिकायत मिली तो जिम्मेदार व्यक्ति कार्रवाई से नहीं बच पाएगा।

नगर परिषद की बैठक में हाल्डिंग टैक्स का मामला छाया रहा

# हंगामेदार रही नप की बैठक, सात एजेंडों पर लगी मुहर

- विस्तारित क्षेत्र के खेल मैदान और चौक-चौराहों पर होगी शौचलाय की व्यवस्था

**केटी न्यूज/डुमरांव**

नगर परिषद के की बैठक में सात एजेंडों पर जमकर चली बहस, फिर सर्वसम्मति से उसकी मिली स्वीकृति। होल्डिंग टैक्स के स्लैब को लेकर भी पार्षदों में दिखी एकजुटता, फिर बकाया राशि को ब्याज मुक्त वसूली पर लगी मुहर। फिर जो पहले से चली आ रही सशक्त स्थायी समिति के बदलाव पर उठाए गए सवाल। इस सवाल पर ईओ ने कानूनी बात बताते हुए इसकी जानकारी पार्षदों को दी। फिर वार्ड पार्षद श्यामजी शर्मा ने ईओ से सवाल किया की उप मुख्य पार्षद मुख्य पार्षद का कार्य संभाल सकते हैं कि नहीं। इओ मनीष कुमार ने सारे पहलू को वार्डपार्षदों के सकक्ष रख उन्हें बताया। एजेंडा में शामिल कर्मियों सर्विस बुक खोलने पर सवाल खड़े किये गए। इओ ने बताया की नगर विकास विभाग के निर्देशनुसार कर्मियों का सर्विस खोलना है, ऐसे सारे कार्य पारदर्शिता के साथ किये जाने का आश्वासन दिया गया, इस पर सभी वार्ड पार्षदों ने मेज थप-थपा खुशी जाहिर की। दाखिल खारिज विलंब से जो जुमार्ना लगाया जाता है, उसे कम करने की बात उठाई गई।

**सभी कर्मियों का खुलेगा सर्विस बुक**

मालूम होकि नगर परिषद कार्यालय में काम करने वाले लगभग एक से डेढ़ दर्जन कर्मी हैं। इतना ही नहीं 250 के आसपास सफाई मजदूर से लेकर चालक कार्यरत हैं। किसी का सर्विसबुक नहीं बना है। वार्ड पार्षदों ने सामूहिक रूप से इस एजेंडे को उठाते हुए सभी का सर्विसबुक खोलने की स्वीकृति प्रदान की। इसको लेकर कर्मियों में काफी खुशी देखी गई।

### शसक्त स्थायी समिति पर चली बहस

कुछ वार्ड पार्षदों ने सशक्त स्थायी समिति पर सवाल खड़ा कर दिया। चेयरमैन सुनीता गुप्ता के अपदस्थ होने के बाद से उप मुख्य पार्षद विकास कुमार के द्वारा कार्यवाहक चेयरमैन के रूप में कार्य किया जा रहा है। ऐसे में वार्ड पार्षद श्यामजी शर्मा ने सवाल खड़ा कर दिया की कैसे कार्यवाहक चेयरमैन कोई फैसला ले रहे हैं। इस पर ईओ ने बताया की यह नियम है कि मुख्य पार्षद के नहीं रहने पर उप मुख्य पार्षद कार्यवाहक के रूप में कोई फैसला ले सकते हैं। जिस तरह से आज की आम बैठक में मुख्य पार्षद के नहीं रहने पर कार्यवाहक के रूप में उप मुख्य पार्षद कार्य कर रहे हैं, उसी तरह से अन्य कार्य को भी देख सकते हैं।

### होल्डिंग टैक्स की वसूली वर्गीकरण के अनुसार किया जाए

वार्ड पार्षद अमर पासवान ने बैठक में यह सवाल उठाया कि होल्डिंग टैक्स वसूली के लिये जो मुख्य सड़क, संपर्क सड़क और गलियों में रहने वालों के लिये वर्गीकरण किया गया है, उसी के अनुसार टैक्स की वसूली होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। नया और पुराना भोजपुर पहले पंचायत में आता था। ग्रामीण परिवेश के कारण यहां पर रहने वाले लोगों का होल्डिंग टैक्स ज्यादा नहीं होनी चाहिए। पार्षदों ने यह आरोप लगाया की टैक्स वसूली करने वाले दबाव बनाते हुए मनमाने ढंग से टैक्स की वसूली करते हैं। सभी ने एकजुटता दिखाते हुए लचर व्यवस्था बनाते हुए गरीब, मजदूर और कच्चे मकानों में रहने वालों के प्रति सहानुभूति रखते हुए टैक्स की वसूली सही ढंग से करने की सलाह दी।

### पार्षदों ने कार्यालय खोलने की बात उठाई

मालूम हो कि वार्ड पार्षदों को अपने-अपने वार्ड की जनता का काम करना और कराना होता है। ऐसे में वार्ड की महिला और पुरूष के साथ बच्चे भी उनके पास पहुंचते हैं। इनका कोई कार्यालय नहीं होने के कारण घर पर पहुंच काम कराने के लिये कहते हैं। ऐसे में किसी पेपर में हस्ताक्षर करना हो, उनकी शिकायत दूर करने के लिये किसी अधिकारियों से बात करना हो तो ऐसे में परेशानी होती है। वार्ड पार्षदों का कहना था कि कार्यालय का इंतजाम होगा तो किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। इस पर विचार किया गया फिर इसकी व्यवस्था पर मुहर लगाई गई।

### होगा शौचालय का निर्माण

मालूम हो कि डुमरांव शहर सहित विस्तारित क्षेत्रों के चौक-चौराहों पर शौचालय और यूरीनल की व्यवस्था नहीं होने पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की होने वाली परेशानी का अवगत करया गया। कुछ जरूरी स्थानों का नाम भी उजागर किया गया, जिसमें नगर के चौक-चौराहों, राज हाईस्कूल के खेल मैदान के पास, पुराना और नया भोजपुर चौक और पुरानाभोजपुर खेल मैदान के पास शौचालय बनाने की बात कही गई। इसकी स्वीकृति प्रदान होते ही सभी सदस्य तालियां बजाकर इसका स्वागत किये। फिर नवरत्न गढ़ किले के पास पसरी गंदगी को हटाने पर जोर दिया गया।

# मणियां में स्मृति समारोह में विद्वानों ने कुरीतियों से मुक्ति और श्रेष्ठ समाज निर्माण पर दिया जोर

**केटी न्यूज/नावानगर**

नावानगर प्रखंड के दयानंद आर्य प्लस टू उच्च विद्यालय, मणियां में ऐसा दृश्य देखने को मिला जब प्राचीन संस्कृति की गूंज के बीच समाज सुधार का संदेश प्रतिध्वनित हुआ। अवसर था विद्यालय के संस्थापक आचार्य विश्वनाथ सिंह की 38वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम ह्ववेदो की ओर लौटेह्व का। समारोह की शुरूआत हरिनारायण आर्य और सिद्धेश्वर शर्मा के आचार्यत्व में अग्निहोत्र एवं वेदोपदेश से हुई। पवित्र ध्वनियों के बीच उपस्थित लोग आत्मिक शांति का अनुभव करते दिखे। इसके बाद कृषि पदाधिकारी वशिष्ठ सिंह की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई, जिसमें स्वर्गीय आचार्य तथा उनके सहयोगी रहे आत्मा सिंह की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। सभा के दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि आज समाज में फैली कुरीतियां, अंधविश्वास और पाखंड हमारी सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने इस संदेश को और प्रभावी बना दिया। नाट्य दृश्यों के माध्यम से उन्होंने बाल विवाह, दहेज, कन्या भ्रूण हत्या और बुजुर्गों की उपेक्षा जैसे मुद्दों पर करारा प्रहार किया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झकझोरने का काम किया। वक्ताओं ने चिंता जताई कि आज के दौर में वृद्धों का अनादर, बेटियों का अपमान और युवाओं का नैतिक पतन आम होता जा रहा है। इस संकट से बाहर निकलने का रास्ता वेदों की ओर लौटने में है। उन्होंने कहा कि वेद केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता को मार्गदर्शन देने वाले शाश्वत सत्य हैं। इन्हीं से प्रेरणा लेकर भारत फिर से विश्वगुरु बन सकता है। इस अवसर पर डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने आर्य समाज और विशेषकर आचार्य विश्वनाथ सिंह के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आचार्य ने अपना जीवन समाज उत्थान और शिक्षा प्रसार को समर्पित कर दिया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे। सभा में उपस्थित विद्वानों ने भी आचार्य के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। हरिनारायण साहू, अयोध्या सिंह, केदार सिंह, ललन सिंह, जितेंद्र सिंह, यज्ञानंद सिंह, बिंदेश्वरी सिंह, नंदकुमार सिंह, मुकेश सिंह, सुनील सिंह और गौरीशंकर सिंह समेत कई प्रबुद्धजन मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि आचार्य की शिक्षा और विचारों को विद्यालय ही नहीं, पूरे समाज में उतारना आज की जरूरत है।

# गंगा के दबाव से उफनायी कर्मनाशा, चौसा-मोहनिया पथ पर चढ़ा बाढ़ का पानी

**केटी न्यूज/चौसा**

गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि से उसकी सहायक नदी कर्मनाशा एक बार फिर उफान पर है। जलस्तर बढ़ने का सीधा असर चौसा-मोहनिया मुख्य पथ पर पड़ा है। मंगलवार को तीसरी बार इस सड़क पर करीब एक फुट पानी चढ़ गया। इसके बावजूद लोग और वाहन चालक जोखिम उठाकर आवागमन कर रहे हैं। फिलहाल प्रशासन ने आवाजाही पर रोक नहीं लगाई है, लेकिन स्थिति कभी भी गंभीर हो सकती है।

कर्मनाशा के उफान से चौसा प्रखंड के बनारपुर और सिकरौल गांव के लोग सबसे अधिक दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गंगा का जलस्तर जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे खेतों और घरों में पानी घुसने का खतरा बढ़ गया है। चौसा व आसपास के अन्य इलाकों में भी बाढ़ की आशंका मंडराने लगी है।

स्थानीय प्रशासन ने हालात पर नजर रखने के लिए कर्मियों को तैनात किया है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही पानी और बढ़ेगा, सड़क पर यातायात रोकने की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, लगातार बारिश और गंगा के दबाव से ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई परिवार सुरक्षित स्थानों की तलाश में जुट गए हैं और पलायन की तैयारी शुरू कर दी है।

अगर इसी तरह गंगा का जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो चौसा सहित निचले इलाकों में बाढ़ का संकट गहरा सकता है।

# रामपुर छात्रावास में बीडीओ की जांच में जीविका दीदियों पर लगे आरोप पाए गए झूठे

**केटी न्यूज/केसठ**

प्रखंड क्षेत्र के रामपुर गांव स्थित एससी एसटी छात्रावास में कार्यरत जीविका रसोईया एवं सफाई दीदियों पर लगे शोषण, अत्याचार और चोरी के सनसनीखेज आरोपों की जांच बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा ने की। करीब तीन घंटे से अधिक समय तक चली इस जांच में उन्होंने सभी पहलुओं का बारीकी से परीक्षण किया। बीडीओ ने फाइलों की गहन पड़ताल की और छात्रावास में लगे सीसीटीवी फुटेज का भी गंभीरता से अवलोकन किया।

जांच के उपरांत बीडीओ वर्मा ने बताया कि जीविका दीदियों पर लगाए गए अधिकांश आरोप तथ्यहीन और झूठे प्रतीत होते हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला जीविका के सीएलएफ, बीपीएम और सुपरवाइजर के बीच किसी आंतरिक विवाद का परिणाम लगता है। जांच के दौरान चोरी के आरोपों की भी पुष्टि नहीं हो सकी। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि जो आरोप लगाए गए थे, वे शत प्रतिशत सही नहीं पाए गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जानबूझकर कुछ व्यक्तियों ने इस प्रकरण को तूल दिया। विदित हो कि छात्रावास की मेस सामग्री की चोरी के आरोप में हाल ही में 20 जीविका दीदियों को कार्यमुक्त कर दिया गया था। इनमें रूनी देवी, उर्मिला देवी, बसंती देवी, पुष्पा देवी, शिला देवी, सीमा देवी, शोभा देवी, बबीता देवी, लीला देवी, रीता देवी, संध्या देवी, माधुरी कुमारी, ललिता देवी, गीता, प्रियंका, नीलम देवी और रीना देवी समेत अन्य शामिल हैं। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद अब इन दीदियों को दोबारा नौकरी मिलने की उम्मीद जगी है। बीडीओ वर्मा ने बताया कि जांच प्रतिवेदन शीघ्र ही वरीय पदाधिकारियों को सौंपा जाएगा और दोषियों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच का दूसरा चरण अभी बाकी है, तथ्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई होगी।रामपुर छात्रावास प्रकरण ने पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हलचल मचा दी थी। अब बीडीओ की जांच रिपोर्ट ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। प्रशासनिक कार्रवाई पर ग्रामीणों और जीविका दीदियों की निगाहें टिकी हुई हैं।

वही जीविका दीदियों ने स्थानीय मीडियाकर्मियों को भी धन्यवाद दिया है, उनका कहना है कि आज मीडिया ने ही दीदियों के आवाज को बुलंदी से प्रशासन के समक्ष रखा। जिसके बाद ही आज प्रशासन हरकत में आई और जांच हुआ।

## एक नजर

### दो दिनों में सभी पंचायतों में होगा खेल क्लब का हो गठन : वरीय उप समाहर्ता

**बक्सर।** बक्सर में खेल प्रतिभाओं को गांव-गांव से तलाशने और उन्हें मंच देने के लिए पंचायत स्तरीय खेल क्लब गठन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। बुधवार को समाहरणालय में वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा आदित्य कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि जिले के कुल 136 पंचायतों में से लगभग 70 पंचायतों में खेल क्लब का गठन पूरा हो चुका है। शेष पंचायतों में अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारी ने निर्देश दिया कि अगले दो दिनों में सभी पंचायतों में क्लब गठन का कार्य हर हाल में पूरा कर लिया जाए। खेल क्लब गठन के लिए संबंधित पंचायत का मूल निवासी कोई भी इच्छुक खिलाड़ी या खेल प्रेमी, जिसकी आयु 18 से 45 वर्ष हो, ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकता है। इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सभी प्रखंडों में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। खेल विभाग का मानना है कि पंचायत स्तर पर क्लब बनने से ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचान मिलेगी और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही खेल को गांव-गांव तक पहुंचाने का लक्ष्य भी साकार होगा। वरीय उप समाहर्ता आदित्य कुमार ने खेल प्रेमियों से अपील की कि वे सक्रिय रूप से क्लब गठन में भाग लें और अपने गांव में खेलों को बढ़ावा देने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि बक्सर जिले से भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हों।

### फ्लिपकार्ट में नौकरी का सुनहरा मौका बक्सर में 12 सितम्बर को जॉब कैम्प

**बक्सर।** जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए खुशखबरी है। जिला नियोजनालय बक्सर के द्वारा 12 सितम्बर 2025 को एक दिवसीय जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष रोजगार कैम्प में प्रतिष्ठित कंपनी फ्लिपकार्ट के लिए डिलीवरी कुरियर एग्जीक्यूटिव पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार कुल 30 पदों पर भर्ती की जानी है। चयनित उम्मीदवारों को 15 हजार से 20 हजार रुपये मासिक वेतन के साथ इंश्योरेंस की भी सुविधा दी जाएगी। आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है। उम्र सीमा 18 से 45 वर्ष तक रखी गई है। भर्ती प्रक्रिया केवल डुमरांव और बक्सर क्षेत्र के लिए की जाएगी। यह जॉब कैम्प जिला नियोजनालय कार्यालय, आईटीआई संयुक्त श्रम भवन, बक्सर के कैंपस में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चलेगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को नियोजनालय में निबंधन कराना अनिवार्य है। जो उम्मीदवार अब तक निबंधित नहीं हैं, वे नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल पर या सीधे जिला नियोजनालय बक्सर में ऑनलाइन निबंधन करा सकते हैं। नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि जॉब कैम्प में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क होगा। इच्छुक आवेदक अपने बायोडाटा और आधार कार्ड के साथ निर्धारित तिथि को उपस्थित होकर मौके पर ही चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने जिले के सभी योग्य बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर रोजगार सुनिश्चित करें।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

### मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बढ़ी हुई दर पर डीबीटी के माध्यम से किया भुगतान, अगस्त माह से 400 की जगह 1100 रुपये

# बक्सर के 1.89 लाख से अधिक लाभार्थियों को मिला पेंशन का तोहफा

**केटी न्यूज/बक्सर**

सामाजिक सुरक्षा निदेशालय के माध्यम से संचालित पेंशन योजनाओं की राशि को बढ़ाकर अब प्रति लाभुक 400 रुपये से 1100 रुपये कर दिया गया है। इस नई दर से भुगतान की शुरूआत खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10 सितंबर को सुबह 10 बजे डिजिटल माध्यम (डीबीटी) से की। इसके साथ ही अगस्त 2025 से जिले के करीब 1.89 लाख लाभार्थियों के खाते में कुल 30 करोड़ 25 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे पहुंच गई।

## वृद्धजन पेंशन योजना में सबसे ज्यादा लाभ

कार्यक्रम के दौरान बक्सर जिले के मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना अंतर्गत सबसे ज्यादा 85,854 लाभार्थियों को राशि हस्तांतरित की गई। इनके बैंक खातों में कुल 9 करोड़ 65 लाख 47 हजार रुपये पहुंचे। वहीं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 62,566 लाभार्थियों को 6 करोड़ 88 लाख 30 हजार रुपये की राशि भेजी गई। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए भी यह दिन बड़ी राहत लेकर आया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 6,607 लाभार्थियों को 73 लाख 1 हजार 600 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के 1,414 लाभार्थियों को 15 लाख 55 हजार 400 रुपये। लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 17,930 लाभार्थियों को 1 करोड़ 99 लाख 45 हजार 700 रुपये। बिहार निःशक्तता पेंशन योजना के 18,373 लाभार्थियों को 2 करोड़ 3 लाख 33 हजार 100 रुपये की राशि डीबीटी से ट्रांसफर की गई।

## समाहरणालय में हुआ मुख्य समारोह

इस अवसर पर बक्सर समाहरणालय परिसर स्थित सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, निदेशक डीआरडीए, प्रभारी पदाधिकारी आपदा शाखा सहित जिले के तमाम अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग और जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस ने संयुक्त रूप से किया।

## गरीब और जरूरतमंदों के लिए बड़ी पहल

सरकार के इस कदम से जिले के गरीब, बुजुर्ग, विधवा एवं निःशक्तजन लाभार्थियों को बड़ी राहत मिली है। अब हर महीने 1100 रुपये सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचेंगे। अधिकारियों का कहना है कि यह राशि जरूरतमंदों के जीवन स्तर को सुधारने में सहायक साबित होगी।

### बक्सर शिक्षा विभाग में बड़ा भ्रष्टाचार उजागर, संवेदकों के बदले स्थापना डीपीओ ने नियम विरूद्ध पार्क की सरकारी खाते में राशि

# स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय पर एक करोड़ से अधिक राशि के विचलन का आरोप, पूर्व में भी विवादों में घिरते रहे हैं अधिकारी

तिलक राय के हाता निवासी आजाद गिरी ने जिलाधिकारी व शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारियों को आवेदन दे जांच की लगाई है गुहार

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर जिला शिक्षा विभाग एक बार फिर सुर्खियों में है। आरोप इस बार जिले के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) विष्णुकांत राय पर लगे हैं। तिलक राय के हाता गांव निवासी आजाद गिरी ने जिलाधिकारी सहित शिक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारियों को पत्र भेजकर एक करोड़ आठ लाख से अधिक की सरकारी राशि के विचलन का गंभीर आरोप लगाया है। गिरी ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कर दोषी अधिकारी पर कठोर कार्रवाई हो। आजाद गिरी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में शिक्षा विभाग द्वारा कराए गए जीर्णोद्धार, अतिरिक्त वर्गकक्ष निर्माण, पेयजल व्यवस्था, शौचालय मरम्मत जैसे कार्यों की राशि नियम विरुद्ध तरीके से खर्च की गई। नियम के मुताबिक पांच लाख से कम राशि के कार्यों के लिए विद्यालय प्रबंधन को स्थानीय स्तर पर संवेदक का चयन कर भुगतान सीधे उनके खाते में किया जाना था, लेकिन आरोप है कि डीपीओ (स्थापना) विष्णुकांत राय ने ऐसा न करके संवेदकों की राशि अपने सरकारी खाते में पार्क कर ली और बाद में डील तय होने पर चयनित संवेदकों को भुगतान किया, जबकि जिनसे समझौता नहीं हुआ उनका पैसा अब तक अटका है। सिर्फ 24 मार्च 2024 को ही प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के 42 कार्यों से जुड़ी 1 करोड़ 8 लाख 21 हजार रुपये से अधिक की राशि को संवेदकों के खाते में ह्लपेड एंड कैंसल्डह्व दिखा दिया गया, जबकि पैसा सीधे उनके सरकारी खाते में डाल दिया गया।

## महालेखाकार और शिक्षा विभाग के आदेश की अनदेखी

यह निकासी महालेखाकार पटना और शिक्षा विभाग के दिशा-निदेर्शों की खुली अवहेलना मानी जा रही है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि राशि का विचलन किसी अन्य मद में नहीं होगा और खर्च का दोहरीकरण नहीं होना चाहिए। इसके बावजूद डीपीओ पर आरोप है कि उन्होंने राशि खाता में रखकर बाद में मनमर्जी से भुगतान किया, जो भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है।

## पहले भी विवादों में रहे हैं विष्णुकांत राय

स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय पर यह पहला आरोप नहीं है। वे पहले भी कई बार विवादों में घिर चुके हैं, जिनमें तथाकथित शिक्षा माफिया अजय सिंह पर मेहरबानी, जांच लंबित रहने के बावजूद उनसे जुड़ी फर्म फर्स्ट आइडिया को भुगतान किया जाना तथा उनकी शिक्षिका पत्नी का निलंबन मुक्त होते ही वेतन भुगतान जारी कर दिया गया, जबकि इसी तरह के अन्य मामलों में महीनों तक फाइलें अटकी रहती हैं।वहीं, स्थानांतरण आदेश निकलने के बावजूद स्थापना डीपीओ लंबे समय से बक्सर में जमे है, जिससे विभागीय नियमों पर सवाल उठ रहे है। इन घटनाओं के चलते उन पर ह्लपक्षपात और मिलिभगतह्व के आरोप पहले से लगते रहे हैं।

## बंदरबांट का आरोप और पारदर्शिता पर सवाल

आजाद गिरी का कहना है कि संवेदकों के साथ डील कर भुगतान किया गया, जो सीधी बंदरबांट की प्रक्रिया है। जिनसे बात नहीं बनी, उनका भुगतान आज तक रोका गया है। उन्होंने कहा कि बक्सर में शिक्षा विभागीय कार्यों में व्याप्त अनियमितताएं किसी से छिपी नहीं हैं। गिरी ने जिलाधिकारी से मांग की है कि यह देखा जाए कि कितने मामलों में 2023-24 की राशि 2024-25 और 2025-26 में खर्च की गई, कितनी राशि अब तक अटकी हुई है और किसे लाभ पहुंचाने के लिए ऐसा किया गया।

## अन्य जिलों में अधिकारी दंडित, बक्सर में अब तक ढिलाई

गौरतलब है कि बिहार के अन्य जिलों में नियम विरुद्ध भुगतान करने वाले कई जिला शिक्षा पदाधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की जा चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है कि बक्सर में एक करोड़ से अधिक राशि के विचलन जैसे गंभीर आरोपों के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया।

## जांच की मांग तेज

आरोप लगने के बाद जिले में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठ रही हैं। आम लोगों का कहना है कि अगर शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग में इस स्तर पर भ्रष्टाचार होता रहा तो इसका सीधा नुकसान बच्चों और विद्यालयों को झेलना पड़ेगा। बता दें कि आजाद गिरी ने अपने शिकायती पत्र में इस बात का जिक्र किया है कि यह स्पष्ट रूप से सरकारी राशि का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार है। ऐसे अधिकारी पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई शिक्षा विभाग का कोई भी पदाधिकारी निजी लाभ के लिए सरकारी धन विचलन नहीं कर सकें। फिलहाल मामला जिलाधिकारी और शिक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारियों तक पहुंच चुका है। जिले में लोग अब यह देखने को बेताब हैं कि क्या डीएम विष्णुकांत राय पर विभागीय जांच बैठाते हैं या मामला फिर ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

## एक नजर

### लंबे समय बाद डुमरांव में हुई झमाझम बारिश, किसान खुश, गर्मी से मिली निजात

**डुमरांव।** डुमरांव में लंबे समय के बाद बुधवार को अच्छी बारिश हुई है। झमाझम बारिश होने से किसान खुश नजर आ रहे थे, वहीं लोगों को उमशभरी गर्मी से निजात मिल गई। बता दें कि पिछले लंबे समय से डुमरांव में बारिश नहीं हुई थी। जिस कारण धान की खेती प्रभावित हो रही थी। किसानों का कहना है कि जिले में सूखे जैसी स्थिति बनी हुई है तथा सावन व भादों दोनों महीनों में बहुत कम बारिश हुई है, जिस कारण धान की फसल बचाने के लिए किसानों को पटवन के लिए मजबूर होना पड़ रहा था, बावजूद फसल को बचाना मुश्किल हो रहा था। तेज धूप तथा उमश से धान की फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। वहीं, बुधवार की दोपहर झमाझम बारिश होने से किसान काफी खुश नजर आ रहे थे। किसानों का कहना है कि अभी धान की खेती के लिए बारिश की सख्त आवश्यकता है। किसान दिनेश यादव, मनोज यादव, सुरेश यादव आदि का कहना है कि आज की बारिश राहत देने वाली है। किसानों ने बताया कि यदि अभी से भी मानसून सक्रिय हो गया तो धान का उत्पादन बेहतर हो सकता है। दूसरी तरफ बारिश से लोगों को उमशभरी गर्मी से राहत मिल गया है।

### ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

**बक्सर।** जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त बक्सर, प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा, कार्यपालक अभियंता बक्सर व डुमरांव समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में डीएम ने कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि 31 अगस्त 2025 तक जिन संवेदकों को कार्य आवंटन पत्र निर्गत किया गया है, वे 8 सितम्बर तक योजना स्थल पर बोर्ड लगाना सुनिश्चित करें और 15 सितम्बर तक सभी पथों को पॉटलेस बना दें। साथ ही इस अवधि तक सभी योजनाओं का एग्रीमेंट भी पूरा कर लेना होगा। इसी तरह पुल निर्माण कार्यों में 15 सितम्बर तक योजना स्थल पर बोर्ड लगाने, साईट लैब तैयार करने, मैटेरियल गिराने और एग्रीमेंट की कार्रवाई हर हाल में पूरी करने का निर्देश दिया गया। वहीं 31 अगस्त के बाद कार्य आवंटन पाने वाले संवेदकों को 15 दिनों के भीतर यह सभी कार्य पूरे करने को कहा गया। डीएम ने विशेष रूप से गोलंबर-जासो-नदाव-डुमरांव पथ को तत्काल मोटरेबल बनाने पर जोर देते हुए प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कराने का आदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरे नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

### अचेतावस्था में मिला ससुराल आया युवक, पुलिस जांच में जुटी

**सिमरी।** सिमरी थाना क्षेत्र के मीशन मोड़ पर मंगलवार की देर शाम एक युवक के अचेतववस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिमरी में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। समय पर इलाज मिलने से युवक की जान बच गई। अचेत मिले युवक की पहचान औद्योगिक थाना क्षेत्र के बोक्सा गांव निवासी शशिकांत राय के रूप में हुई है। वह अपने ससुराल सिमरी के बकुलहापट्टी गांव आया हुआ था। इसी दौरान पारिवारिक विवाद को लेकर कहासुनी हुई और युवक ने ससुराल पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया है। उसने इस संबंध में सिमरी थाना में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। घटना के बाद थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक की अचेत अवस्था पारिवारिक विवाद और कथित मारपीट का नतीजा है या इसके पीछे कोई अन्य वजह छिपी हुई है। फिलहाल चिकित्सकीय रिपोर्ट और पीड़ित का बयान मिलने तक स्पष्ट निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। दूसरी ओर, घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोग इस बात को लेकर हैरान हैं कि आखिर युवक मीशन मोड़ पर किस तरह से अचेत अवस्था में पहुंचा। वहीं पुलिस ससुराल पक्ष से भी पूछताछ कर रही है ताकि हर पहलू पर रोशनी डाली जा सके। फिलहाल, पुलिस जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि तथ्य सामने आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इस घटना ने सिमरी इलाके में जिज्ञासा और चिंता दोनों को बढ़ा दिया है।

# रघुनाथपुर को मिली बड़ी सौगात, अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव शुरू

**केटी न्यूज/ ब्रह्मपुर**

रघुनाथपुर स्टेशन और आसपास के इलाके के यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव रघुनाथपुर में आधिकारिक रूप से मंजूर कर दिया गया है। इस घोषणा के साथ ही क्षेत्र के लोगों में उत्साह का माहौल है। रेल यात्री कल्याण समिति, जो वर्षों से इस मांग को लेकर संघर्षरत थी, ने इसे जनआंदोलन की जीत बताया है। समिति के संयोजक नगेंद्र मोहन सिंह ने कहा कि रेलवे ने वादा निभाकर यहां की जनता की पुरानी मांग को पूरा किया है। उन्होंने रेल मंत्रालय और अधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि यह जीत सिर्फ समिति की नहीं बल्कि पूरे इलाके की है। समिति के अन्य पदाधिकारियों चंद्रशेखर पाठक, तारकेश्वर पाठक, प्रभु मिश्रा, मनीष भारद्वाज, इमरान अंसारी, शकील अहमद, निर्मल केशरी और जावेद अख्तर ने भी खुशी जताई और रेलवे की सराहना की। गौरतलब है कि समिति का शिष्टमंडल 21 अप्रैल 2025 को दानापुर में मुख्य यातायात प्रबंधक बीरेंद्र कुमार से मिला था और लिखित मांग पत्र सौंपा था। उस समय आश्वासन दिया गया था कि बहुत जल्द रघुनाथपुर को किसी प्रमुख ट्रेन का ठहराव मिलेगा। अब अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव मिलने से यात्रियों को बक्सर, आरा या सासाराम जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कदम न केवल हजारों यात्रियों को सुविधा देगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास की रफ्तार भी तेज करेगा। बड़ी संख्या में छात्र, व्यापारी और नौकरीपेशा लोग अब सीधे रघुनाथपुर से सफर कर पाएंगे। हालांकि समिति का कहना है कि यह उनकी लड़ाई का अंत नहीं है।

# विधानसभा चुनाव 2025, बक्सर में मतगणना केंद्र की तैयारियों का हुआ सघन निरीक्षण

**केटी न्यूज/बक्सर**

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बक्सर जिला प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से बाजार समिति, बक्सर स्थित बज्रगृह एवं मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने मतगणना केंद्र पर होने वाली व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ कहा कि चुनावी प्रक्रिया के किसी भी चरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मतगणना स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, भवन एवं कक्षों की उपलब्धता, सीसीटीवी कैमरे की कार्यशीलता, विद्युत व पेयजल आपूर्ति, बैरिकेडिंग, पार्किंग की सुविधा और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभी से तैयारी में जुट जाएं ताकि समय रहते सभी व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप सुनिश्चित हो सकें। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह ने सुरक्षा इंतजामों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल की सुरक्षा चुनावी प्रक्रिया का सबसे अहम हिस्सा है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा तैनाती की जाएगी। एसपी ने बताया कि सुरक्षा घेरे को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल, निगरानी प्रणाली और बैरिकेडिंग की तैयारी अभी से की जा रही है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों को जिलाधिकारी ने स्पष्ट संदेश दिया कि निर्वाचन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता में है और इसमें किसी भी स्तर पर चूक नहीं होनी चाहिए। चुनाव नजदीक आने के साथ प्रशासन की सक्रियता से यह संकेत साफ है कि बक्सर जिले में चारों विधानसभा क्षेत्रों ब्रह्मपुर, बक्सर, डुमरांव और राजपुर (अ.जा.) में मतगणना की प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए हर स्तर पर पुख्ता तैयारी की जा रही है।

डीएम-एसपी ने संयुक्त रूप से लिया सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं का जायजा, अधिकारियों को मिली सख्त हिदायत

# सब्जी उत्पादन की उन्नत तकनीक सीखेंगे बक्सर के किसान

आत्मा, बक्सर द्वारा बीस किसानों का जत्था प्रशिक्षण हेतु वाराणसी रवाना

**केटी न्यूज/बक्सर**

जिले के किसानों को सब्जी उत्पादन की उन्नत तकनीकों से रूबरू कराने के उद्देश्य से बुधवार को आत्मा बक्सर द्वारा बीस किसानों का जत्था वाराणसी रवाना किया गया। संयुक्त कृषि भवन परिसर से जिले के कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा, धर्मेंद्र कुमार और उप-परियोजना निदेशक आत्मा रणधीर कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किसानों को रवाना किया।

इस दौरान कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत किसानों को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान भेजा जा रहा है। वहां किसानों को सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। साथ ही पॉली हाउस में सब्जियों के उत्पादन से संबंधित विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने क्षेत्र में आधुनिक तकनीक से सब्जी उत्पादन करें और अपने आस-पास के किसानों को भी इसके लिए जागरूक करें। तभी इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सफल होगा। किसानों की सुविधा के लिए दो टीम लीडर नियुक्त किए गए हैं, जिनमें जितेंद्र सिंह मौर्य और योगेश कुमार मिश्रा शामिल हैं। इनके नेतृत्व में किसान वाराणसी जाकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को भरोसा दिलाया गया कि इस सीख से वे न सिर्फ अपनी आमदनी बढ़ा पाएंगे बल्कि जिले के अन्य किसानों को भी प्रेरित करेंगे। मौके पर सहायक तकनीकी प्रबंधक विवेकानंद उपाध्याय, अरविंद प्रकाश, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक प्रमोद कुमार, प्रगतिशील किसान चंदन कुमार सिंह, मदन गोप और महेंद्र तिवारी सहित कई किसान उपस्थित रहे। इस तरह आत्मा, बक्सर की यह पहल जिले के किसानों को आधुनिक खेती की राह दिखाने और सब्जी उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

# आखिरकार पकड़ा गया फजीवर्ड़े का आरोपित हरेकृष्ण यादव, आठ साल से चल रहा था फरार

गुप्त सूचना पर ब्रह्मपुर पुलिस ने बक्सर कलेक्ट्रेट के पास से किया गिरफ्तार

**केटी न्यूज/बक्सर**

ब्रह्मपुर पुलिस ने फजीर्वाड़े के एक आरोपित हरेकृष्ण यादव को बुधवार को गुप्त सूचना पर बक्सर कलेक्ट्रेट के पास से गिरफ्तार कर लिया है। उस पर फर्जी तरीके से शिक्षक की नौकरी करने का आरोप है तथा इस मामले में ब्रह्मपुर के तत्कालीन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रघुनाथ प्रसाद ने उस पर ब्रह्मपुर थाने में कांड संख्या 83/2017 दर्ज कराया था। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि तिलक राय के हाता थाना क्षेत्र के तवक्कल राय के डेरा गांव निवासी हरेकृष्ण यादव पर फर्जी तरीके से शिक्षक बनने का आरोप लगाया था तथा बताया था कि वह ब्रह्मपुर के कन्या मध्य विद्यालय में शिक्षक की नौकरी कर रहा है। एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही वह फरार चल रहा था। ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उसे बक्सर कलेक्ट्रेट के समीप से गिरफ्तार किया गया है। इस गिरफ्तारी की चर्चा बुधवार को बक्सर के शिक्षा विभाग में पूरे दिन होते रही। बता दें कि शिक्षा विभाग में यह अकेला मामला नहीं है, बल्कि अभी कई ऐसे कारनामे भी है, जिस पर से पर्दा उठना अभी बाकी है। हालांकि, केशव टाइम्स अपने अभियान में कई ऐसे चौकाने वाले मामले सामने ला रहा है, बावजूद अभी तक शिक्षा विभाग या प्रशासन प्रमाण के बावजूद कार्रवाई से कतरा रहा है।

### कोईलवर के मनभावन मोड़ पर पैसे लेकर गाड़ी बढ़ाने का वीडियो वायरल

# एसपी ने ऑनड्यूटी दारोगा के साथ दो होमगार्ड जवान को किया सस्पेंड

**केटी न्युज/आरा**

पटना-बक्सर फोरलेन को कोईलवर-डोरीगंज फोरलेन से जोड़ने वाले कोईलवर के मनभावन मोड़ पर यातायात संधारण के लिए लगे कंट्रोल रूम और तैनात जवानों द्वारा ट्रक वालों से पैसे लेकर ट्रकों को रॉन्ग साइड से आगे बढ़ाने का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो किसी ट्रक चालक द्वारा बनाया प्रतीत होता है. हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि प्रभात खबर नहीं करता है. इधर बुधवार की सुबह से ही व्हाट्सएप ग्रुपों में तेजी से प्रसारित हो रहा यह वीडियो पटना जिले की ओर से आ रहे किसी ट्रक के केबिन से बनाया गया प्रतीत हो रहा है. इस वीडियो में जो आवाज है, उसमें वीडियो दिखाते हुए बताया गया है कि टोल प्लाजा या पटना की ओर से लाइन में आ रहे ट्रकों को बेवजह रोका जाता है. वहीं, रॉन्ग साइड से आ रही गाड़ियों को पैसे लेकर रॉन्ग साइड से ही छपरा रोड में आगे बढ़ा दिया जाता है. वीडियो में भी यह स्पष्ट दिख रहा है कि टोल प्लाजा की ओर से रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रकों को वहां तैनात सिपाही रोकता है और उन्हें वहां बने कंट्रोल रूम की ओर जाने का इशारा करता है. इसके बाद ट्रक का खलासी उतर कर कंट्रोल रूम में जाता है और वापस आकर अपनी गाड़ी रॉन्ग साइड से लेकर आगे बढ़ जाता है. लगभग छह मिनट के वीडियो में ऐसा कई बार होता दिख रहा है, जिसमें कई ट्रक चालकों के हाथ में पैसे जैसा कुछ दिखाई दे रहा है, जो कंट्रोल रूम में कुर्सी में बैठे एक दूसरे पुलिस जवान को थमाता है और रॉन्ग साइड से आगे बढ़ जाता है. वायरल वीडियो को बनाने वाला वीडियो के दौरान वरीय पुलिस पदाधिकारी एसपी, डीआइजी, आइजी से गुहार लगाता सुनाई दे रहा है कि वे कृपया सिविल ड्रेस में या किसी ट्रक में बैठकर यहां आएं और यहां की वस्तुस्थिति को समझें, ताकि ट्रक चालक सुरक्षित और भयमुक्त सफर कर सकें. वह यह भी कहता सुनाई दे रहा है कि वह चोरी छुपे यह वीडीओ बना रहा है और पकड़े जाने पर उसका फोन भी तोड़ा जा सकता है. इधर वायरल वीडियो की जांच कराने के बाद बुधवार की देर शाम पुलिस कप्तान मिस्टर राज ने मनभावन मोड़ पर ड्यूटी कर रहे और वीडियो में दिख रहे दो होमगार्ड जवान और एक दारोगा को सस्पेंड कर दिया है. इस बाबत बात करते हुए पुलिस कप्तान ने कहा कि ऐसे तत्वों से पुलिस की पूरी कार्यशैली बदनाम होती है. ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा. भविष्य में भी ऐसी गलती दोहराने वाले कर्मियों पर इससे भी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

# नौकरी की तलाश में ईरान गए आरा के युवक की हत्या, 11 महीने बाद वापस आया शव

■ ड्रग तस्करी से जुड़ा है मामला

**केटी न्युज/आरा**

भोजपुर जिले के पीरो प्रखंड अंतर्गत सुखरौली गांव निवासी मूंगा लाल साह और उनके परिवार का अपने घर के चिराग के मृत शरीर की अंत्येष्टि की इच्छा 11 महीने बाद पूरी हुई ईरान में मौत के बाद 23 वर्षीय गौरव कुमार का शव करीब 11 महीने बाद बुधवार को गांव पहुंचा तो पूरे परिवार समेत ग्रामीणों में मातम छा गया। बेटे की राह देख रही मां ताबूत में अपने लाल को देख बेसुध होकर फफक पड़ी। रोते-रोते बेहोश हो जा रही थी। बिलखते हुए बार-बार बोल रही थी कि विदेश कमाने जाने से मना किए थे। गौरव पिछले साल फरवरी में ईरान रोजी-रोटी की जुगाड़ में गया था, जहां कथित रूप से हत्या ईरान में कर दी गई थी।बीते 11 महीनों से शव वहीं पड़ा था। स्वजन लगातार उसके शव को स्वदेश लाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। कई बार निराशा भी हाथ लगी थी, लेकिन विदेश मंत्रालय के प्रयासों से आखिरकार शव को भारत लाया जा सका। शव दिल्ली एयरपोर्ट से पटना एयरपोर्ट लाया गया, वहां से एंबुलेंस द्वारा गांव लाया गया। दिल्ली में मृतक के भाई सौरव ने शव को रिसीव किया। गौरव के बड़े भाई राजन कुमार ने बताया कि बहनोई गुप्तेश्वर दुबई में काम करते हैं। उनकी पहचान एक व्यक्ति मिस्टर साहू से हुई, जिसने गौरव को ईरान में तेल कारखाने में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। 15 फरवरी 2024 को गौरव पटना से मुंबई और फिर 22 फरवरी को 2024 को एयर अरबिया एयरलाइंस से शारजाह पहुंचा था, जहां मिस्टर साहू और सोनू नामक एजेंट ने उसे रिसीव किया था। इसके बाद उसे ईरान ले जाकर शराज और चाबहार में अलग-अलग ठिकानों पर रखा गया था।गौरव नियमित रूप से परिवार से वीडियो कॉल पर बात करता था, लेकिन मई 2024 से बातचीत बंद हो गई थी। बाद में उसकी बहन को फिरौती के लिए कॉल आने लगे थे। पहले दो करोड़ रुपए की मांग हुई थी, फिरौती घटाकर 15 लाख तक कर दी गई थी, लेकिन स्वजन इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थ थे।

## मादक पदार्थ तस्कर के जाल में फंसा था गौरव

राजन ने बताया कि ड्रग्स तस्करी मामले में भारतीय एजेंसियों की कार्रवाई के दौरान गौरव का नाम सामने आया था। तस्करों ने उसे ड्रग्स के बदले गिरवी रख छोड़ा था। इसके बाद लगातार धमकी भरे कॉल आते रहे। 14 अगस्त 2024 को स्वजनों को उसकी मौत की सूचना दी गई, लेकिन कोई फोटो या सबूत नहीं दिया गया था।

## डीएन जांच से हुई थी मृतक की पहचान

परिवार की मांग पर डीएनए सैंपल मिलान की प्रक्रिया शुरू हुई। एक मार्च 2025 को पिता मूंगा लाल का डीएनएन सैंपल ईरान भेजा गया था, जो जुलाई 2025 में गौरव से मैच कर गया था। इसी आधार पर भारत सरकार ने शव स्वदेश लाने की प्रक्रिया पूरी की

# पीरो पहुंच डीएम ने लिया डिस्पैच सेंटर का जायजा डिस्पैच सेंटर व इवीएम रखने के लिए निर्धारित कमरों को जल्द तैयार करें

**केटी न्युज/आरा**

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर तरारी विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्धारित डिस्पैच सेंटर व वाहन अधिग्रहण का जिलाधिकारी तनय सुलतानिया ने जायजा लिया. बुधवार को पीरो अनुमंडल के दौरे पर यहां पहुंचे जिलाधिकारी ने बीएसएस कॉलेज में बनाये जा रहे डिस्पैच सेंटर में पर्याप्त संख्या में कमरों, शौचालय, पेयजल, मतदान दल के कर्मियों को तृतीय प्रशिक्षण के समय बैठाने के लिए आवश्यक उपस्करों की उपलब्धता आदि का अवलोकन किया. इस दौरान जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि डिस्पैच सेंटर व इवीएम रखने के लिए निर्धारित कमरों को ससमय तैयार कर लिया जाये. उक्त कमरों के सभी दरवाजे व खिड़की को मजबूत कर लिया जाये. साथ ही सभी खिड़कियों को सील कर दिया जाए. इसके अतिरिक्त यथा आवश्यक सीसीटीवी कैमरों का भी समय से इंस्टॉलेशन करवा लिया जाए. जिलाधिकारी ने मतदान

कर्मियों की ब्रीफिंग, उनकी तीसरी ट्रेनिंग और उनको इवीएम हस्तगत कराने और सुविधाजनक तरीके से वाहन उपलब्ध कराने के संबंध में व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया. इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय, प्रखंड विकास पदाधिकारी तरारी अशोक कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राजू रंजन सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

## बाढ़ के पानी में डूबने से नौ वर्षीय बच्चे की मौत

**आरा।** बबुरा थाना क्षेत्र के बभनौली गांव में बुधवार की दोपहर बाढ़ के पानी में डूबने से एक नौ वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी. घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही. जानकारी के अनुसार मृतक बबुरा थाना क्षेत्र के बभनौली गांव निवासी अजीत राय का नौ वर्षीय पुत्र आयुष कुमार है. वह तीसरी कक्षा का छात्र था. इधर, मृतक के परिजनों ने बताया की पूरे गांव में बाढ़ का पानी आ गया है. बुधवार की दोपहर वह गांव के बच्चों के साथ खेलने के लिए निकला था. उसी दौरान बाढ़ के पानी में डूब गया. इसके बाद वहां मौजूद बच्चों द्वारा इसकी सूचना उसके परिजन को दी. सूचना पाकर परिजन एवं स्थानीय ग्रामीण वहां पहुंचे और उसे पानी से बाहर निकाला. परिजन अपनी संतुष्टि को लेकर उसे सदर अस्पताल ले आये, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया गया. बताया जाता है कि आयुष अपने दो भाईयों में बड़ा था. उसके परिवार में मां आशा देवी एवं एक छोटा भाई मुन्ना कुमार है. उसकी मां आशा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

# बनाही स्टेशन पर फरक्का एक्सप्रेस का ठहराव शुरू

■ सांसद व विधायक ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को किया रवाना

**केटी न्युज/आरा**

दानापुर रेलमंडल के आरा-बक्सर रेलखंड स्थित बनाही रेलवे स्टेशन पर बुधवार से 15733/15734 एवं 15743/15744 फरक्का एक्सप्रेस का अधिकारिक तौर पर ठहराव शुरू हो गया है. बुधवार की सुबह अप फरक्का एक्सप्रेस जैसे ही बनाही स्टेशन पर पहुंची, लोगों ने बड़े हीं जोश के साथ ट्रेन के ठहराव का स्वागत किया. लोगों ने इस मौके पर दो घंटे विलंब से पहुंची ट्रेन के ड्राइवर व गार्ड को बुके देकर व फुलमाला पहनाकर उन्हें मिठाई खिलायी. इस मौके पर उपस्थित आरा सांसद सुदामा प्रसाद, शाहपुर विधायक राहुल तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया. इस अवसर पर रेलवे के वरीय अधिकारी फैयाज हुसैन, जदयू के प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति सदस्य लाल बहादुर महतो, भाजपा नेता

ललन यादव, जुबेर खान के अलावा सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे. मालूम हो कि कारोना काल से पूर्व बनाही स्टेशन पर फरक्का एक्सप्रेस का ठहराव था परंतु इसे कोरोना काल में ट्रेन का ठहराव बंद कर दिया गया था. ट्रेन के ठहराव को लेकर बनाही रेलयात्री कल्याण समिति और बिहार रेल यूजर्स एसोसिएशन के बैनर तले स्थानीय लोगों द्वारा कई बार धरना व प्रदर्शन करते हुए रेल के वरीय अधिकारियों को इससे अवगत कराया गया था जिसके बाद रेलवे द्वारा बनाही स्टेशन पर उक्त ट्रेन का ठहराव पुनः प्रारंभ किया गया है. इस ठहराव से शाहपुर के दियारा इलाके से लेकर शाहपुर, हेमतमपुर, तीयर समेत दर्जनों गांवों के हजारों लोगों की यात्रा सुगम हो गयी है।

# महिलाओं को इसी महीने मिलने लगेंगे 10000 रुपये, भोजपुर में 48 घंटों में मिले 1.95 लाख आवेदन

**केटी न्युज/आरा**

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घोषित मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना ठऊअ के लिए मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकती है। महिलाओं का उत्साह यही बता रहा है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार की एक महिला सदस्य को 2 लाख रुपये तक के घरेलू रोजगार के लिए पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सात सितंबर से जिले में इस योजना के तहत जीविका समूहों में आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हुई है। दो दिनों में ही नौ सितंबर तक एक लाख 95 हजार 67 आवेदन प्राप्त हे चुके हैं। यह जिले में कुल जीविका दीदी के दो लाख 50 हजार 418 का 78 प्रतिशत हिस्सा है। जिले के सभी 14 प्रखंडों में के

कार्यालय में आवेदन लेने की प्रक्रिया चल रही है।जिले के छह प्रखंडों में बाढ़ के कारण आवेदन इकट्ठा करने में परेशानी हो रही है। आरा सदर प्रखंड के प्रखंड परियोजना पदाधिकारी विशाल कुमार सिंह ने बताया कि बाढ़ के कारण गांवों से आवेदन लाने में परेशानी हो रही है। वसंतपुर बहेया गांव में जीविका दीदी के 1200 आवेदन तैयार है, लेकिन बाढ़ के कारण आवागमन का साधन नहीं होने के कारण आवेदन अभी तक नहीं पहुंच सका है।उन्होंने बताया कि हर हाल में 14 सितंबर तक आवेदन की साफ्ट कापी को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। आरा सदर के प्रखंड परियोजना पदाधिकारी विशाल कुमार ने बताया गया कि सरकार द्वारा योग्य महिला लाभार्थी को पहली किस्त डीबीटी के माध्यम से 10 हजार रुपये की राशि इसी महीने की तीसरे सप्ताह से बैंक खाते में आने लगेगी। जैसे-जैसे डेटा को ऐप पर अपलोड किया जाएगा, वैसे-वैसे महिला लाभार्थियों के बैंक खाते में राशि आएगी। आवेदन को अपलोड करने और राशि भेजे जाने के संबंध में अंतिम तिथि सुनिश्चित नहीं की गई है। समझा जा रहा है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले सभी पात्र लाभार्थियों के खाते में 10 हजार रुपये की राशि पहुंच जाय। बाद में रोजगार शुरू करने के बाद चरणबद्ध रूप से दो लाख रुपये में से शेष राशि दी जाएगी। जिले के सभी नगर पंचायत यथा आरा सदर, कोइलवर, पीरो, गड़हनी, शाहपुर, जगदीशपुर, उदवंत नगर और बिहिया नगर पंचायत में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभान्वित करने के लिए लेकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। नगर के सभी वाडौं में प्रचार वाहन के माध्यम से महिलाओं तक योजना की विस्तृत जानकारी पहुंचाई जा रही है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं योजना का लाभ उठा सकें। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। नगर पंचायत की ओर से बताया गया कि जीविका समूह से जुड़ी महिलाएं अपने समूह के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। इस बाबत जिला मुख्यालय के नगर निगम में नेशनल अरबन लाइवउड मिशन (एनयूएलएम) काम कर रहा है। उसको जीविका मदद कर रहा है।

## आवेदन के साथ शामिल करने हैं कागजात

जीवका दीदी को अपने कार्यालय से निश्शुल्क आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। जिसे जीविका दीदी भरक जमा कर रही है। इसके साथ आधार कार्ड और बैंक का खाता संख्या की कापी शामिल किया जा रहा है। इसका सत्यापन भी विभाग द्वारा किया जा रहा है, ताकि आवेदन में दर्ज डेटा में त्रुटि नहीं हो। खाता किसी भी बैंक का हो सकता है, बस वह 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' यानी डीबीटी से लिंक होना चाहिए।

## एक नजर

### डीएम उदिता ने पांच नागरिकों से किया दैनिक लोक साक्षात्कार

**सासाराम ।** जिला पदाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा पांच आम नागरिकों से दैनिक लोक साक्षात्कार किया गया। लोक साक्षात्कार के दौरान आवेदिका कांति देवी, ग्राम जयश्री, काराकाट के द्वारा पति का वाहन दुर्घटना में मृत्यु के बाद यमानुसार सरकारी मुआवजा की अनुदान राशि उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिया गया, जिसे अविलंब निष्पादन हेतु जिला आपदा प्रबंधन शाखा को निर्देशित किया गया। आवेदक ज्वाला प्रसाद, ग्राम- केनार कला,चेनारी के द्वारा मौजा केनार कला, खाता- नं. 27, प्लॉट नं. 627, रकबा 1 एकड़ 91 डी. जमीन को लेकर अभद्र व्यवहार करने के संबंध में आवेदन दिया गया, जिसे शीघ्र निष्पादन करने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सासाराम को निदेशित किया गया। इसी प्रकार आवेदक कृष्णा सिंह पटेल,गाँधी नगर, डेहरी के द्वारा वार्ड 27 डेहरी में शिवमंदिर के पास नाला निर्माण कराने हेतु आवेदन दिया गया, जिसे शीघ्र निष्पादन हेतु लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, रोहतास को निदेशित किया गया। इसके अलावे शेष सभी आवेदन-पत्रों को संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित निष्पादन हेतु अग्रसारित किया गया।

### एससी-एसटी एक्ट मामले में एक गिरफ्तार

**बिक्रमगंज ।** थाना क्षेत्र अंतर्गत दर्ज कांड संख्या 307/25 के आलोक में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए एससी-एसटी एक्ट मामले के अभियुक्त सहेजनी टोला निवासी रामाशंकर प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। इसकी पुष्टि करते हुए बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

### शराब मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

**बिक्रमगंज ।** नासरीगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर थाना क्षेत्र के पडूरी गांव से शराब कांड के मामले में तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया ।गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों में कौशल कुमार उर्फ कौशल चौधरी,जितेंद्र चौधरी एवं मुनीब चौधरी उर्फ उपेंद्र चौधरी शामिल है ।इसकी जानकारी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने दी ।उन्होंने कहा कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 316/25 के आलोक में शराब कांड का मामला दर्ज था ।उन्होंने ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

### दो पक्षों के बीच मारपीट में तीन को जेल

**बिक्रमगंज ।** थाना क्षेत्र के बेलखुड़िया मठिया गांव में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट की घटना हुई। मामले में दोनों ओर से आरोप- प्रत्यारोप लगाते हुए एक-दूसरे के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है ।थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि दर्ज कांड संख्या 630/25 में स्वर्गीय लोरिक सिंह के पुत्र जितेंद्र कुमार एवं धर्मेंद्र सिंह तथा कांड संख्या 631/25 में बबन सिंह के पुत्र उपेंद्र कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को जांच उपरांत जेल भेज दिया गया है ।थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी अभियुक्त थाना क्षेत्र के बेलखुड़िया मठिया गांव के निवासी है,फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

### मारपीट मामले में तीन गिरफ्तार

**काराकाट ।** काराकाट थाना क्षेत्र में मारपीट मामले को लेकर पुलिस ने कांड संख्या 437/25 दिनांक 10/09/25 के आलोक में मामला दर्ज किया है ।इस संबंध में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है ।थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि थाना में दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकता से मामला दर्ज किया गया ।इस मामले में दोनों तरफ से आवेदन प्राप्त हुए ।उसी के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने के बाद तीन लोगों गिरफ्तार किया गया हैं ।गिरफ्तार अभियुक्तों में थाना क्षेत्र के जोरावरपुर निवासी स्वर्गीय कामेश्वर साह के 27 वर्षीय पुत्र मिथुन साह व स्वर्गीय साह की पत्नी सहित उसी कांड से संबंधित भोजपुर जिला अंतर्गत आयर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव निवासी सत्यानंद साह की पुत्री को गिरफ्तार किया गया है ।तीनों अभियुक्त को गिरफ्तार न्यायिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### एसटीएफ टीम ने छापेमारी कर विद्युत चोरी में सात लोगो पर प्राथमिकी दर्ज कराया

**सूर्यपुरा।** थाना क्षेत्र मे विद्युत ऊर्जा चोरी करने वालों के खिलाफ विशेष कार्य बल यानि एसटीएफ के नेतृत्व मे एक जाँच दल का गठन किया गया। जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया की परिसर मे लगे विद्युत मीटर से पहले सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी जिसको लेकर अगरेर खुर्द निवासी जयराम राम पर 25547, केदार अंसारी पर 15356, ताजमन अंसारी पर 13348, सद्दाम अंसारी पर 13483, शायरा बेगम पर 10159, नारायणपुर के मुनेश्वर महतो पर 17331 व सूर्यपुरा के बबन प्रजापती पर 21239 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जाँच दल मे एसटीएफ के सहायक विद्युत अभियंता समरजीत कुमार, मानवबल अभिषेक कुमार, रणवीर कुमार आदि मौजूद थें।

### शौच करने गये किशोर की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत

**आरा।** बहोरनपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव में बुधवार की दोपहर शौच करने गये किशोर की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गयी. घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही. जानकारी के अनुसार मृत किशोर बहोरनपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव निवासी लक्ष्मण राम का 13 वर्षीय पुत्र विश्वकर्मा कुमार है. इधर, मृतक के पड़ोसी धनजी पासवान ने बताया कि बुधवार की दोपहर में बांस के बने टिकटी के किनारे शौच करने गया था, जहां पैर फिसल जाने के कारण वह पानी भरे गढ्ढे में गिरकर डूब गया, तभी दूसरे घर की छत पर खड़े लड़कों ने उसे डूबता देख शोर मचाना शुरू किया गया. कुछ देर बाद सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय ग्रामीण के सहयोग से उसके शव को पानी से बाहर निकाला. इसके बाद परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी, जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बिहार की अर्थव्यवस्था में छलांग

# विकास दर 8.64 प्रतिशत, जीएसडीपी 5.31 लाख करोड़ पहुंचा

**एजेंसी/पटना**

बिहार की अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में नई ऊंचाई हासिल की है. उप मुख्यमंत्री और सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि राज्य की विकास दर 8.64 प्रतिशत रही, जबकि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 4.89 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 5.31 लाख करोड़ रुपये हो गया है. उन्होंने दावा किया कि आने वाले वर्षों में बिहार का जीएसडीपी 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है. सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार अब केवल कृषि पर निर्भर राज्य नहीं रहा. राज्य में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं. निर्माण और उत्पादन क्षेत्र में 11 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत और परिवहन और संचार क्षेत्र में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. उन्होंने बताया कि वित्तीय अनुशासन के चलते राज्य का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रण में आया है. पहले यह 6.2 प्रतिशत था, जो घटकर अब 2.9 प्रतिशत रह गया है. उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने जानकारी दी कि हाल ही में आयोजित निवेश सम्मेलनों से 2.3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं. आइटी और एथनॉल नीति के अंतर्गत स्थापित नए उद्योगों से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं. साथ ही सरकार ने 'बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025' की घोषणा की है. इस पैकेज के तहत यदि कोई उद्यमी 100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करता है और 1,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करता है, तो उसे 10 एकड़ तक भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी. महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' भी शुरू की गई है. इसके तहत प्रत्येक परिवार की एक महिला को स्वरोजगार शुरू करने के लिए 10,000 रुपये की प्रारंभिक सहायता दी जाएगी. यदि छह माह बाद कारोबार में प्रगति दिखाई देती है तो दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी. चौधरी ने कहा कि यह योजना केवल सहायता राशि तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर बिहार की दिशा में एक सशक्त कदम है।

### कृषि क्षेत्र में 16 उत्पादों को मिल चुका जीआई टैग

कृषि क्षेत्र में बिहार पहले ही अपनी पहचान बना चुका है. मक्का, मखाना, लीची, भिंडी और मशरूम उत्पादन में राज्य देश में पहले स्थान पर है. अब तक 16 उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है, जिनमें शाही लीची, भागलपुरी सिल्क और मिथिला मखाना प्रमुख हैं. इससे न केवल किसानों की आमदनी बढ़ी है, बल्कि बिहार की पहचान वैश्विक स्तर पर भी मजबूत हुई है. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य 2047 तक बिहार को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है. निवेश, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में उठाए गए कदम इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निर्णायक साबित होंगे।

टला बड़ा रेल हादसा

# सहरसा में अवैध गैस सिलेंडर के धंधे में बड़ा धमाका, शिक्षक की मौत

**एजेंसी/सहरसा**

बिहार के सहरसा से एक दर्दनाक खबर निकल कर सामने आ रहा है। जहां आज अहले सुबह एक भीषण हादसा घटित हुआ है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप का माहौल कायम हो गया है। फिलहाल घटना की जानकारी नजदीकी थाने की पुलिस को दे दी गई है। इसके साथ ही आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए हैं। जानकारी के अनुसार,सहरसा जिले में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां अवैध गैस सिलेंडर कारोबारी खुर्शीद आलम, पिता हलीम के घर अचानक हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। धमाका इतना तीव्र था कि कई लोगो के मकान की खिड़की के शीशे टूट गए। यह धमाका उस समय हुआ जब लोग अपने बच्चों को स्कूल-कोचिंग के लिए लेकर जा रहे थे या फिर मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना तेज था कि घर के नीचे बने बेसमेंट का स्टील शटर उखड़कर लगभग 30 फीट दूर जा गिरा और वहीं से गुजर रहे सचिन कुमार पिता झ राजकुमार, निवासी निर्मली, थाना निर्मली, जिला सुपौल के सिर पर आ गिरा। सिर फटने से सचिन की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पेशे से प्राइवेट शिक्षक थे। धमाके में अवैध गैस कारोबारी खुर्शीद आलम बुरी तरह झुलस गए।

बिहार की छात्राओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी

# 10 लाख छात्राओं को मिलेगा प्रोत्साहन राशि का लाभ, जल्द खातों में पहुंचेगा पैसा

**एजेंसी/पटना**

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राज्य सरकार जनता को राहत देने और हर तबके तक आर्थिक मदद पहुंचाने की कोशिशों में लगी हुई है। खासकर युवा वर्ग और महिलाओं को लेकर सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। इसी कड़ी में अब बिहार की छात्राओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। सरकार ने साफ संकेत दिया है कि इंटरमीडिएट और स्नातक उत्तीर्ण करीब 10 लाख छात्राओं को प्रोत्साहन राशि का लाभ बहुत जल्द मिलेगा। करीब आठ महीने से अटकी प्रक्रिया अब पटरी पर आ गई है। दरअसल, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (वक्ऌअक) ने हाल ही में छात्राओं के आधार कार्ड सत्यापन की अनुमति दे दी है। इसी वजह से अब बैंक खातों में राशि भेजने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार का मानना है कि इस माह के अंत तक आधार सत्यापन की पूरी प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी और उसके तुरंत बाद लाभार्थी छात्राओं के बैंक खातों में पैसा पहुंचना शुरू हो जाएगा। याद दिला दें कि साल की शुरूआत में वक्ऌअकने आधार जांच की अनुमति रोक दी थी। इसके चलते लाखों छात्राओं को प्रोत्साहन राशि मिलने में देरी हो गई थी। हालांकि, राज्य सरकार ने हार नहीं मानी और केंद्र सरकार से अनुमति दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए। गजट प्रकाशित कराने से लेकर अन्य सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आखिरकार केंद्र से हरी झंडी मिल गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, स्नातक उत्तीर्ण कुल 5.65 लाख छात्राओं में से लगभग 4.50 लाख ने प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन किया है। वहीं, इंटरमीडिएट पास हुईं कुल 5.55 लाख छात्राओं में से करीब 4.43 लाख ने आवेदन किया है। आवेदन की अंतिम तिथि 14 सितंबर निर्धारित की गई है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि यह संख्या और बढ़ सकती है। सरकार की इस योजना के तहत स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं को 50,000 रुपये और इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अविवाहित छात्राओं को 25,000 रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। यह राशि एकमुश्त दी जाएगी ताकि छात्राएं अपने उच्च शिक्षा या अन्य जरूरतों को पूरा कर सकें। बिहार सरकार ने यह प्रोत्साहन योजना अप्रैल 2018 में शुरू की थी। शुरूआत में राशि थोड़ी कम रखी गई थी। उस समय स्नातक पास छात्राओं को 25,000 रुपये और इंटरमीडिएट पास छात्राओं को 10,000 रुपये दिए जाते थे। लेकिन एक अप्रैल 2021 से सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए राशि को बढ़ाकर दोगुना से भी ज्यादा कर दिया। आज की तारीख में यह योजना बिहार की लाखों बेटियों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता का बड़ा सहारा बन चुकी है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक लगभग 3.75 लाख स्नातक छात्राओं को इसका लाभ मिल चुका है। बिहार जैसे राज्य में जहां शिक्षा व्यवस्था और रोजगार की चुनौतियां हमेशा चर्चा में रहती हैं, वहां छात्राओं के लिए आर्थिक मदद किसी वरदान से कम नहीं है। कई बार आर्थिक तंगी की वजह से बेटियां अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। ऐसे में यह प्रोत्साहन राशि उन्हें न केवल पढ़ाई पूरी करने में मदद करती है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी मजबूत कदम है। इसके साथ ही, सरकार की मंशा यह भी है कि युवतियों में उच्च शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़े और वे आगे चलकर समाज में अपनी भूमिका को मजबूती से निभा सकें।

# पटना में संविदा कर्मियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज कई आंदोलनकारियों का सिर फूटा, मची-अफरा-तफरी

**एजेंसी/पटना**

पटना के गर्दनीबाग धरनास्थल पर करीब एक महीने से धरना पर बैठे आंदोलनकारियों पर आज पुलिस ने लाठीचार्ज किया। दरअसल राजस्व एवं भूमि विभाग में संविदा पर बहाल करीब 9000 कर्मियों की सरकार ने एक साथ पिछले दिनों सेवा समाप्त कर दी थी। लेकिन इसके बावजूद तमाम कर्मियों का आंदोलन लगातार जारी था। बुधवार को बीजेपी कार्यालय के पास संविदा कर्मी पहुंचे थे और विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। एक साथ हजारों कर्मी बीजेपी दफ्तर के पास पहुंच गये। इस दौरान पुलिस से उनकी धक्का मुक्की हुई। इस दौरान पुलिस ने संविदा कर्मियों पर लाठीचार्ज कर दिया। जिसके कारण कई आंदोलनकारियों का सिर फट गया। जिसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया है। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। पुलिस की लाठीचार्ज के खिलाफ संविदा कर्मियों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई की लोग भर्त्सना कर रहे हैं और सरकार से मांगे पूरी करने की बात कह रहे हैं। बता दें कि 16 अगस्त से हड़ताल पर बैठे राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में संविदा पर बहाल करीब 9000 कर्मियों की सेवा एक साथ समाप्त कर दी गयी है।

# बिहार में कई आईएस अधिकारियों का तबादला, हटाए गए उत्पाद आयुक्त

**पटना।** बिहार सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। कई विभागों के सचिव और अपर सचिवों के तबादले एवं नई जिम्मेदारियां तय की गई हैं। इस लिस्ट में जो सबसे अहम नाम देखने को मिला है उसके मुताबिक उत्पाद आयुक्त का तबादला कर दिया गया है। अब उनकी जगह नए अधिकारी की पोस्टिंग कि गई है। इसके साथ ही कुछ अन्य नाम भी शामिल है। यहां हम आपको पूरी लिस्ट बताने वाले है। सामान्य प्रसाशन विभाग के तरफ से जो लिस्ट जारी की गई है उसके मुताबिक लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल को स्थानांतरित कर गन्ना उद्योग विभाग के प्रधान सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है। यह जांच आयुक्त सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रभार में बने रहेंगे। गन्ना उद्योग विभाग के सचिव बी कार्तिकेय धनजी को लघु जल संसाधन विभाग के सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है। यह जांच आयुक्त और उद्योग विभाग के सचिव के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

# बिहार पुलिस डॉग स्क्वायड में जल्द शामिल होंगे 30 प्रशिक्षित डॉग्स, संख्या बढ़कर होगी 97

**एजेंसी/पटना**

बिहार पुलिस के डॉग स्क्वायड में जल्द ही 30 खासतौर से प्रशिक्षित डॉग्स शामिल होने जा रहे हैं। वर्तमान में इन सभी का प्रशिक्षण हैदराबाद के मोइनाबाद स्थित आईआईटीए (इंटीग्रेटेड इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी) में हो रहा है। यह जानकारी एडीजी (सीआईडी) पारसनाथ ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से तीन महीने में सभी प्रशिक्षित डॉग्स बिहार पुलिस के डॉग स्कॉयड के बेड़े में शामिल हो जाएंगे। मौजूदा समय में इस बेड़े में 67 डॉग्स मौजूद हैं। नए डॉग्स के शामिल हो जाने के बाद से इनकी संख्या 97 हो जाएगी। एडीजी ने बताया कि डॉग स्क्वायड में कुत्तों के स्वीकृत पदों की संख्या 200 है। परंतु सिर्फ 67 ही अभी तैनात हैं। इस वर्ष के अंत तक इनकी संख्या बढ़कर 97 हो जाएगी। इसके अलावा 50 नए डॉग्स को खरीदने की प्रक्रिया अभी जारी है। इन्हें पंजाब स्थित होमगार्ड ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट्स से खरीदा जा रहा है। दो से तीन महीने में इनके खरीद की तमाम प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद इन्हें मोइनाबाद स्थित संस्थान में प्रशिक्षित करने के बाद डॉग स्कॉयड में शामिल कर लिया जाएगा। इससे पुलिस बेड़े में डॉग्स की कुल संख्या बढ़कर 147 हो जाएगी। पारसनाथ ने बताया कि पुलिस दस्ते में जो 67 श्वान कार्यरत हैं, जिसमें विस्फोटकों की पहचान करने वालों की संख्या 19, ट्रेकर 21, शराब पहचानने वाले 21 और मादक पदार्थों को जांच वाले श्वान की संख्या 6 है।

### तख्त श्रीहरिमंदिर पटना साहिब को बम से उड़ाने की धमकी अफवाह निकली

**पटना।** बीते सोमवार 8 सितंबर को पटना साहिब स्थित तख्त श्रीहरिमंदिर गुरुद्वारा को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल के जरिये दी गयी थी। मेल में यह दावा किया गया था कि गुरुद्वार के लंगर हॉल में फ्ळ छिपाया गया है। धमकीभरा मेल मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। जिसकी सूचना पुलिस को दी गयी थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड की टीम को मौके पर बुलाया। जिसके बाद पूरे गुरुद्वारा परिसर में सर्च अभियान चलाया गया। लेकिन कही से भी कुछ भी नहीं मिला। जिससे बम प्लान्ट किये जाने की बात अफवाह साबित हुई। इस बात की जानकारी पटना सिटी एसपी पश्चिमी परिचय कुमार ने बताया कि यह शरारती तत्वों का कारनामा लग रहा है। बावजूद इसके पटना पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है।

आईएमडी ने जारी की चेतावनी

# बिहार में भारी बारिश का अलर्ट, पांच जिलों में चेतावनी जारी

**एजेंसी/पटना**

बिहार में मानसून फिलहाल सक्रिय है और बुधवार ( 10 सितंबर) को भी राज्य के कई जिलों में बारिश के साथ तेज हवाओं, मेघ गर्जन और वज्रपात का पूवार्नुमान जताया गया है. हालांकि आज भी उत्तर बिहार सभी जिलों में आज ज्यादा वर्षा की प्रबल संभावना है. मौसम विभाग ने दक्षिण बिहार में आज का कम वर्षा होने की संभावना जताई है. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तर बिहार में आज भारी वर्षा की संभावना अधिक है, जबकि दक्षिण बिहार में अपेक्षाकृत कम बारिश होगी. इसके साथ ही अगले तीन से चार दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में रात के तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है. मौसम विभाग ने आज पांच जिलों- पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सुपौल, अररिया और किशनगंज में भारी वर्षा और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में बुधवार तड़के से ही बारिश का असर देखने को मिल रहा है. वहीं, शिवहर, सीतामढ़ी और मधुबनी जिलों में भी अहले सुबह से ही वर्षा और मेघ गर्जन की चेतावनी दी गई. इन सभी इलाकों में कुछ जगहों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना जताई गई है. राजधानी पटना में भी देर रात तीन बजे बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया. मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि अगले पांच दिनों तक पूरे राज्य में मानसून सक्रिय रहेगा.बीते मंगलवार को भी पटना सहित कई जिलों में बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई. सबसे अधिक बारिश किशनगंज में 117.4 मिलीमीटर दर्ज की गई, जबकि अररिया में 95 मिमी, खगड़िया में 80.4 मिमी, समस्तीपुर में 78.4 मिमी और बेगूसराय में 68.4 मिमी वर्षा हुई. इसके अलावा पूर्णिया में 62.2 मिमी, सिवान में 52.6 मिमी और पटना जिले के फतुहा में 50.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।

## सुभाषितम्

शिक्षा किसी घड़े को भरने जैसा नहीं है यह तो अग्नि प्रज्वलित करने के समान है। -डब्ल्यू बी. बीट्स

## भारत पर अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा

ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाना, रूस से भारत के कच्चे तेल आयात के जवाब में, एक संकीर्ण और असंगत नीति को दशार्ता है। भारत की आलोचना की जा रही है जबकि चीन, जापान, तुर्की और यूरोपीय संघ के कई देश रूस से कहीं अधिक तेल आयात कर रहे हैं। यह चयनात्मक रवैया इस टैरिफ को अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बनाता है। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वस्त्र, रत्न और कीमती धातुओं जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। भले ही रोजगार और महंगाई पर इसका पूरा असर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन भारत सरकार ने अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत का विशाल घरेलू बाजार, मजबूत कूटनीतिक संबंध और बढ़ती आर्थिक-सेना शक्ति ऐसे दबावों को सफल नहीं होने देगी। भारत और रूस के बीच व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय रुपये में होता है, जो वैश्विक व्यापार में डॉलर मुक्त व्यवस्था की ओर एक कदम है। भारत मध्य पूर्व देशों के साथ भी रुपये में तेल व्यापार के विकल्प तलाश रहा है। यदि यह चलन बढ़ा, तो यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली को चुनौती देगा और अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व को कम कर सकता है। इफ्क्कर देशों के बीच रुपये आधारित व्यापार की भारत की पहल भी इसी दिशा में है। अमेरिका की चिंता भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक, डॉलर की वैश्विक पकड़ कमजोर होने को लेकर है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से तेल आयात पर निर्भरता से जुड़ी है। भारत अपनी 82% से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव और बाहरी झटकों की आशंका बढ़ जाती है। अधिकांश तेल परिवहन क्षेत्र–दोपहिया, कार, ट्रक, बस, विमानन ईंधन और कृषि व थर्मल पावर में डीजल–में खपत होता है। इसे कम करने के लिए भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनको बढ़ावा देना शुरू किया है, विशेषकर दोपहिया, यात्री वाहन और बसों में। साथ ही, वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है, पर भूकंपीय जोखिम, भूस्खलन और मानसून के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर हैं। इनके लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गहन मूल्यांकन जरूरी है। भारत दुनिया में बिजली का एक बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। थर्मल पावर (मुख्यतः कोयला) अभी भी 45.4% बिजली उत्पादन में योगदान देता है, जबकि जलविद्युत का हिस्सा लगभग 10.2% है, जिसे अब सौर और पवन ऊर्जा ने पीछे छोड़ दिया है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की क्षमता 217 जीडब्ल्यू पार करने का अनुमान है, जो ऊर्जा नीति में बड़ा बदलाव है। राष्ट्रीय बायोएनेर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अहम हैं।

वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग 49% गैर-जीवाश्म स्रोतों (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) से आता है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी तेजी से बढ़ाई जा रही हैं ताकि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अमेरिकी टैरिफ भारत के लिए तात्कालिक आर्थिक चुनौती जरूर हैं, लेकिन भारत अपने व्यापार और ऊर्जा नीतियों में बड़े स्तर पर बदलाव कर रहा है। ये प्रयास न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं, बल्कि एक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में भी योगदान देते हैं।

## चिंतन-मनन

## क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है। दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

# अनुसंधान संस्थान में तकनिकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

**- संजय गोस्वामी**

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दी जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से सही होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए, अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आता है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए, उसी तरह परचेज ऑर्डर को गूगल ट्रांसलेट करते है तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए, इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द Ti जिसे टाइटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द 67 हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अतः यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरूरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अतः अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अतः आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरूआत से ही की जाए, तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय।

डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से ?736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अतः हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है। करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान। इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी। इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा। स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए। कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है। पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था । वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं। इन्हीं जानकारियों को यहाँ क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया हैं। अलग-अलग भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए अरबियन लिपि का प्रयोग होता है। भारत में संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश प्राचीन भाषों का प्रयोग मिलता है। हिन्दी, मराठी, गुजराती और पंजाबी आदि आर्य भाषा- परिवार की भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का प्रयोग होते हुए भी नागरी लिपि का प्रयोग होता है। संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, मराठी, कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं की अभिव्यक्ति के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग होता है। बांग्ला, उड़िया, असमिया आदि पूर्वी क्षेत्र की भाषाओं की अलग-अलग लिपियां हैं। परन्तु इन भाषाओं का देवनागरी लिपि के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

# भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

**- श्रीमती अन्नपूर्णा देवी**

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरूआत –अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरे-?द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने–न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षाः आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है। आज के भारत में, खेल अब सिर्फ. मनोरंजन भर नहीं, अपितु –नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुंल स्पखष्ट.और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या ?वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है–जीवन के शुरूआती छह वर्षों में। वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए

एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में–पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है, जितनी जल्दी शुरूआत, उतने बेहतर परिणाम–और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है–जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है। ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है–यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है। मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरूआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी जोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है। बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्यॉंवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरूआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है। व्यवस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है।

# भागवत की मंशा पर शक क्यूं?

**- मुस्ताअली बोहरा**

ज्यादा दिन पुरानी बात नहीं जब अखिल भारतीय इमाम संगठन के तत्कालीन प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत का राष्ट्रऋषि बता दिया था। पिछले काफी वक्त से भागवत हिन्दू-मुसलमान एकता को लेकर प्रयासरत हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि जब से इस्लाम भारत में आया है तब से यहीं है और यहीं रहेगा। बात बिल्कुल सहीं है, इस्लाम भी यहीं रहेगा और मुसलमान भी। भारत के मुसलमान वो हैं जिनका एतबार लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव में था। जिन को इस्लामिक वतन चाहिए था वो बटवारे के वक्त पाकिस्तान चले गए थे। कुल मिलाकर, भागवत के बयानों की और भी सियासी वजह हो सकती है लेकिन भागवत के इन प्रयासों की सराहना तो की ही जानी चाहिए। एक वक्त था जब पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया यानि पीएफआइ के तकरीबन सैकड़ा भर ठिकानों पर छापे, हिजाब विवाद, भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी, ज्ञानवापी मस्जिद मसले, गौ हत्या और मॉब लिंचिंग, लव जिहाद, धर्मान्तरण, उत्तरप्रदेश में मदरसो के सर्वे, अन्य कुछेक मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग आदि मसलों के बीच आरएसएस चीफ मोहन भागवत की अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी से मुलाकात की थी। चूंकि, अखिल भारतीय इमाम संगठन का कार्यालय मस्जिद परिसर में है लिहाजा दिल्ली की मस्जिद में आएसएस प्रमुख का पहुंचना अपने आप में ही बड़ी बात रही। इमाम उमर इलियासी के पिता जमील इलियासी की मजार पर भी संघ प्रमुख पहुंचे, साथ ही इमाम के परिजनों से भी मुलाकात की। इसके बाद दिल्ली के ही आजाद मार्केट के एक मदरसे का दौरा किया और यहां बच्चों से मुलाकात की। इसके बाद उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि बता दिया। भागवत के मस्जिद और मदरसे पहुंचने से लेकर हालिया बयान तक के पीछे जितने मुंह उतनी बातें वाली बात चरितार्थ हो रही है। कुछेक का तर्क है कि आरएसएस यूनिफॉर्म सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिए माहौल तैयार कर रहा है। कुछ का कहना है कि अगले लोकसभा चुनाव के पहले संघ, मुसलमानों की नाराजगी को कम करने की कोशिश कर रहा है। भागवत से पहले संघ के पाँचवें सरसंघचालक कुप्पाहाली सीतारमय्या सुदर्शन भी इलियासी के परिजनों से मिलते रहे हैं लेकिन तब इतनी चर्चा नहीं हुई। भागवत के मस्जिद-मदरसों पर पहुंचने को लेकर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी। मायावती ने कहा कि मस्जिद और मदरसे जाकर उलेमाओं से मिलने, फिर खुद को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि कहलवाने के बाद क्या भाजपा मस्जिद और मदरसों के प्रति अपने नकारात्मक रूख में बदलाव लाएगी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निशाना साधते हुए कहा कि मोहन भागवत जी अब आप अखलाक और बिलकिस बानो के परिवार से भी मिलें। बिलकिस बानो को न्याय दिलाएं। बलात्कारियों का सम्मान करने वालों के खिलाफ बयान दें जहां जहां निर्दोष मुसलमानों को आपके कार्यकताओं ने सताया है उनसे माफी मांगे अन्यथा आपका मस्जिद-मदरसा जाना केवल दिखावा होगा। संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर देश की राजधानी दिल्ली में 26 से 28 अगस्त तक तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के आखिरी दिन मोहन भागवत ने कई मसलों पर अपनी राय रखी।

## आज का राशिफल

**मेष** – आप अपनी योग्यता और परिश्रम से कार्यस्थल पर सबका ध्यान आकर्षित करेंगे।

**तुला** – दिन लाभ से भरा होगा। धन और करियर दोनों ही क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

**वृषभ** – आज भाग्य साथ देगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं की शुरुआत के लिए दिन शुभ है।

**वृश्चिक** – व्यवसाय में किसी नए क्लाइंट से डील करते समय पूरी सतर्कता बरतें।

**मिथुन** – आज दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक खर्चों के कारण आपका बजट असंतुलित हो सकता है।

**धनु** – आज भाग्य साथ दे रहा है। धन संबंधी मामलों में ग्रहों की विशेष कृपा है।

**कर्क** – आज दिन शुभ है और आपकी ईमानदारी और समर्पण का कार्यक्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

**मकर** – दिन आर्थिक मामलों में काफी उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। धन के मामलों में मुश्किल हो सकती है।

**सिंह** – आज दिन मिलाजुला रहेगा। मानसिक तनाव के कारण कार्यक्षेत्र में एकाग्रता की कमी हो सकती है।

**कुंभ** – आज भाग्य साथ दे रहा है और दिन नवाचार और शोध कार्यों के लिए बहुत अनुकूल है।

**कन्या** – भाग्य साथ दे रहा है। तर्कशक्ति और स्पष्टता कार्यक्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

**मीन** – आज दिन शुभ है और आपको वित्तीय रूप से लाभ प्राप्त होगा।

## विशेष

### ना-टायर्ड, ना रिटायर्ड, मोदी प्रधानमंत्री बने रहेंगे

देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल की उम्र पूरी होने पर रिटायर करने की बात चल रही थी। संघ की धमकियों के आगे जब मोदी नहीं झुके। तब संघ प्रमुख को कहना पड़ा, ना टायर्ड ना रिटायर्ड। उन्होंने कहा कि वह भी 80 साल की उम्र तक काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं।वह 75 साल की उम्र पूरा करने पर अपना पद नहीं छोड़ेंगे। सही है, समर्थ व्यक्ति के लिए कोई नियम कानून नहीं होते हैं। वह दूसरों के लिए नियम कानून बनाता है। संघ के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। इतना स्पष्ट हो गया है कि मोदी -भागवत अपना पद नहीं छोड़ेंगे।

### मोदी और जिनपिंग के बीच प्रेमालाप

पिछले 7 वर्षों से भारत और चीन के संबंधों में बर्फ जमी हुई थी। अब यह बर्फ पिघलना शुरू हो गई है। रिश्तो की गर्माहट ने बर्फ को तेजी के साथ पिघलाना शुरू कर दिया है।30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंच रहे हैं। वहां पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का प्रेमालॉप चीन और भारत के बीच नया इतिहास लिखने जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से मोदी के प्रति बेरुखी दिखा रहे है। उसके बाद से ही मोदी को नए फ्रेंड की तलाश थी।

## कार्टून कोना

## आज का इतिहास

1879: ब्रिटेन ने दक्षिण अफ्रीका में जुलू के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किए. 1923: टोकियों में भूकंप से डेढ़ लाख से अधिक लोग मारे गए. 1939: जर्मनी ने पोलैंड पर हमला किया जिसके साथ द्वितीय विश्व युद्ध भड़क उठा. 1942: रास बिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन किया था. 1945: जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध में अमरीकी युद्धपोत (मिसौरो) पर आत्म समर्पण किया था. 1947: भारतीय मानक समय लागू किया गया. 1950: उत्तर कोरियाई सैनिकों ने मेकांग नदी के पार कर कोरिया पर आक्रमण किया. 1956: जीवन बीमा कारोबार का राष्ट्रीयकरण किया गया. 1961: गुट निरपेक्ष देशों का पहला सम्मेलन बेलग्रेंड (यूगोस्लाविया) में हुआ. 1965: पाकिस्तानी फौजों ने कश्मीर युद्ध विराम रेखा पार की. 1969: लीबिया में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया.

## दैनिक पंचांग

**सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | सिंह में | कन्या | 06.53 बजे से |
| चंद्र | वृश्चिक में | तुला | 09.04 बजे से |
| मंगल | कन्या में | वृश्चिक | 11.18 ब.से |
| बुध | सिंह में | धनु | 13.34 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | मकर | 15.40 बजे से |
| शुक्र | कर्क में | कुंभ | 17.26 बजे से |
| शनि | मीन में | मीन | 18.59 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मेष | 20.29 बजे से |
| केतु | सिंह में | वृष | 22.09 बजे से |
| राहुकाल | | मिथुन | 00.08 बजे से |
| 7.30 से 9.00 | | कर्क | 02.21 बजे से |
| बजे तक | | सिंह | 04.37 बजे से |

2025 वर्ष का 244 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** नवमी 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
**नक्षत्र** ज्येष्ठा 19.55 बजे को समाप्त।
**योग** विष्कुम्भ 16.32 बजे को समाप्त।
**करण** बालव 13.55 बजे तदनन्तर कौलव 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 8.8 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 16'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872454
**जूलियन दिन** 2460919.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** रवि उलावल
**तारीख** 08
**विशेष** गौरी पूजा।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ**- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति 2016 मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, जांच के लिए बनी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 (हाईस्कूल शिक्षक बहाली) से जुड़ी याचिकाओं पर आज 1 सितंबर को फैसला सुनाते हुए अहम आदेश दिया है। अदालत ने इस मामले में दायर कुल 258 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस डॉ एसएन पाठक की अध्यक्षता में एक सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया। अदालत ने कमेटी को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं के दावों की जांच कर नियुक्ति की अनुशंसा करे। इस मामले में अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता, चंचल जैन और अमृतांश वत्स समेत कई अधिवक्ताओं ने पैरवी की। गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता परीक्षा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से वर्ष 2016 में शुरू की गयी थी। परीक्षा के जरिए कुल 17,572 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जानी थी।

## हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति में आया बड़ा फैसला,फैक्ट फाइंडिंग कमेटी करेगी मेरिट लिस्ट की जांच

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति से संबंधित एक अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट ने हाई स्कूल मेरिट लिस्ट की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है। इसका नेतृत्व सेवानिवृत्ति जस्टिस एसएन पाठक करेंगे। प्रार्थियों की ओर से हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति की मेरिट लिस्ट को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। झारखंड हाई कोर्ट में इससे संबंधित 252 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, चंचल जैन और तेजस्विता सफलता ने अदालत को बताया था कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार शिक्षक नियुक्ति से संबंधित मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई है। इसमें कई त्रुटियां हैं। इसलिए एक सदस्य जांच आयोग का गठन किया जाना चाहिए। जबकि सरकार की ओर से कहा गया था कि मेरिट लिस्ट में कोई त्रुटि नहीं है। सरकार के अनुसार सब कुछ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत ही जारी किया गया है। बता दें कि इस संबंध में मीना कुमारी सहित अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

## रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग केस में कार्रवाई, छह छात्रों पर मामला दर्ज

रांची, एजेंसी। शैक्षणिक संस्थानों पर रैगिंग जैसी गतिविधियां सख्त मना है। इसको लेकर कड़े नियम बनाए गए हैं। फिर भी रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा केस झारखंड के रामगढ़ जिले में रैगिंग और एक जूनियर छात्र की पिटाई के मामले में छह छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना शनिवार को रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज, मुरुबांदा गांव में घटी। पुलिस के मुताबिक, बीटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र ने जब नेशनल एंटी रैगिंग सेल (ह्रत्र्ष्ट) में शिकायत की, तो दूसरे वर्ष के कुछ छात्रों ने उसकी पिटाई कर दी। फिलहाल पीड़ित छात्र का इलाज रामगढ़ सदर अस्पताल में चल रहा है। रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि राज्रप्पा थाना क्षेत्र में पीड़ित छात्र की शिकायत पर त्र्श्वष्ट के सीनियर छात्रों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू हो गई है, हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।卐 उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रबंधन को कैंपस में रैगिंग रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। कॉलेज के उपप्राचार्य नजमुल इस्लाम ने बताया कि पीड़ित छात्र बोकारो जिले के फुसरो प्रखंड का रहने वाला है और कंप्यूटर साइंस का प्रथम वर्ष का विद्यार्थी है। उसने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कुछ दूसरे वर्ष के छात्रों ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद कॉलेज की एंटी रैगिंग सेल की बैठक बुलाई गई, जिसमें कैंपस में रैगिंग रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। कॉलेज प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि दोषी छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## रांची एयरपोर्ट का नया शिड्यूल जारी, अब कई शहरों के लिए मिलेगी कनेक्टिंग फ्लाइट, दिल्ली के लिए 7 विमान

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट प्रबंधन ने 01 से 30 सितंबर तक के लिए विमानों के आगमन और प्रस्थान को लेकर नया शिड्यूल जारी किया है। नये शिड्यूल के अनुसार बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से 3 विमानों की संख्या घटी है। रांची से 27 की जगह अब 24 विमान हो गये हैं। रांची से इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान नियमित संचालित हो रहे हैं। नए शिड्यूल के अनुसार अब रांची से दिल्ली के लिए 7, और बेंगलुरु ले किये 4 सीधी फ्लाइट है। वहीं मुंबई और कोलकाता के लिए 3-3 विमान है। रांची से हैदराबाद के लिए 2 फ्लाइट्स हैं। वहीं पटना, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई और पुणे के लिए रोजाना एक-एक विमान है। इसके अलावा अब बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से यात्रियों को कई शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट की सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट निदेशक आरआर मौर्या ने बताया कि यात्रियों को भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम, इंदौर, त्रिवेंद्रम और गुवाहाटी के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट मिलेगी।

# सड़क हादसे में मौत में झारखंड चौथे नंबर पर

### 2023 में कुल 4173 मौतें, इनमें 718 सड़क पर पैदल चलने वाले

**रांची, एजेंसी।** सड़क हादसे में होने वाली मौतों में झारखंड देश में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2023 में राज्य में सड़क हादसे में 4173 लोगों की मौत हुई। जबकि 2020 में यह आंकड़ा 3044 था। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रोड एक्सीडेंट इन इंडिया-2023 की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक सड़क हादसे में 10.5प्रतिशत मृत्यु दर सिक्किम में है। वहीं बिहार में 8.96प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 8.83प्रतिशत और झारखंड में 8.24प्रतिशत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में अधिकतर मौतें तेज रफ्तार के कारण हो रही हैं। राज्य में पैदल चलने वाले लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। वर्ष 2023 में पैदल चलने वाले 588 पुरुष और 130 महिलाओं की हादसे में जान गई। वहीं साइकिल सवार 126 लोगों की भी सड़क हादसे में जान चली गई।

**लापरवाही के साथ सड़क पर गड्ढे भी हैं हादसे की वजह :** सड़क हादसे का एक बड़ा कारण सड़क इंजीनियरिंग, नियमों का पालन न करना और लापरवाह ड्राइविंग है। रिपोर्ट के मुताबिक 68प्रतिशत मौतें तेज रफ्तार की वजह से हुईं। वहीं 2,161 मौतों का कारण सड़क पर गड्ढे हैं। इससे साफ है कि केवल ड्राइवरों की लापरवाही ही नहीं, बल्कि अधूरी और अव्यवस्थित सड़क भी हादसों की बड़ी वजह बन रही हैं। सड़क हादसे केवल आंकड़े नहीं हैं, यह किसी परिवार की दुनिया उजाड़ने वाली त्रासदी है।

**शहरों से ज्यादा ग्रामीण इलाके में हादसे:** रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में शहरी इलाके से ज्यादा ग्रामीण इलाकों में हादसे हुए। जनवरी, मई और दिसंबर से सबसे ज्यादा दुर्घटना हुई। नेशनल हाइवे पर 798 हादसे दोपहिया वाहन की हुई। इनमें 560 लोगों की मौत हुई। वहीं चार पहिया वाहन से 305 हादसे में 284 लोगों ने जान गंवाई। बस की भी 51 दुर्घटना हुई, जिनमें 51 लोगों की मौत हुई। वहीं तेज रफ्तार के कारण 1403 हादसे हुए, जिनमें 1174 लोगों की जान चली गई।

रॉन्ग साइड में चलने की वजह से 171 हादसे हुए, जिनमें 120 लोगों की मौत हुई। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए 42 हादसे हुए, इनमें 28 की मौत। 797 एक्सीडेंट आमने-सामने हुए, जिनमें 631 लोगों की मौत हो गई। आवासीय क्षेत्र में 1417 हादसे में 1134 और कॉमर्शियल क्षेत्र में 900 हादसे में 567 की मौत।

## घाटशिला में उपचुनाव से पहले बढ़ी सियासी सरगर्मी, चंपई सोरेन की नई पोस्ट ने फिर बढ़ाई हलचल

**घाटशिला, एजेंसी।** घाटशिला विधानसभा में आने वाले कुछ माह में उपचुनाव तय है। ऐसे में यहां राजनीतिक गतिविधियां बढ़ने लगी है। इन दिनों प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के इंटरनेट मीडिया पेज पर जोहार घाटशिला खूब चर्चाओं में है। अब नई पोस्ट ने एक बार फिर घाटशिला में चर्चाओं व राजनीतिक हलचल को बढ़ा दिया।

दरअसल, चंपई सोरेन रविवार को घाटशिला की भूमि से जोहार घाटशिला लिखकर एक तस्वीर अपने इंटरनेट मीडिया पेज पर पोस्ट की। जिसे आगामी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर तैयारियों के नजरों से देखा जा रहा था।

इधर उक्त पोस्ट के डालने के बाद बढ़ी राजनीतिक हलचल के महज 20 घंटे के अंदर ही दोबारा चंपई ने अपने इंटरनेट मीडिया पेज पर जोहार घाटशिला लिखकर एक पोस्ट शेयर कर दिया। इस बार पोस्ट अपने पुत्र बाबूलाल सोरेन के तस्वीर के साथ की।

तस्वीर पुरानी है, लेकिन उसमें चंपई के पीछे उनके पुत्र चलते नजर आ रहे। बाबूलाल घाटशिला विधानसभा से बीते चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बने थे, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी जीत नहीं पाए।

ऐसे में रामदास सोरेन के महज कुछ माह के बाद ही निधन होने से ये सीट दोबारा खाली हो गई। अब दोबारा इस सीट पर उपचुनाव होंगे। इस बीच चंपई सोरेन के लगातार घाटशिला विधानसभा में सक्रिय होने व ऐसे इंटरनेट मीडिया पेज के पोस्ट ने राजनीतिक रूप से हलचल को बढ़ाया है।

दोबारा किए गए पोस्ट में चंपई के पीछे पुत्र बाबूलाल सोरेन की तस्वीर ये संदेश देता की चंपई ने बेटे के लिए इस सीट पर चहलकदमी बढ़ा दी है। हालांकि उपचुनाव में भाजपा किसे उम्मीदवार बनाएगी ये फिलहाल तय नहीं हुआ है।

## परंपरा की विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ाना है : शिल्पी

**रांची, एजेंसी।** झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जनी शिकार उरांव जनजाति द्वारा हर 12 साल पर मनाया जाने वाला पारंपरिक उत्सव है। यह मुगलों के खिलाफ आदिवासी महिलाओं की रोहतासगढ़ किले पर जीत की याद दिलाता है। इस आयोजन में पुरुषों के वस्त्र पहनकर महिलाएं शिकार के लिए निकलती हैं। ये महिलाओं की वीरता और साहस को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि ऑल आदिवासी वीमेंस एसोसिएशन ऑफ असम ने 2025 से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत की है, जो वर्षों से चली आ रही है। परंपरा की विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाना है।

मंत्री शिल्पी रविवार को असम के डिब्रूगढ़ जिला पुस्तकालय सभागार में आयोजित ÷जनी शिकार उत्सव- 2025' में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। कार्यक्रम का आयोजन ऑल आदिवासी वीमेंस एसोसिएशन ऑफ असम एवं ऑल आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ असम के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। इस उत्सव में यूनेस्को की को-चेयरपर्सन डॉ. सोना झरिया मिंज सहित भी शामिल थीं। इससे पूर्व कृषि मंत्री असम प्रदेश कांग्रेस की तरफ से आयोजित बीएलए ट्रेनिंग में शामिल हुईं। इस मौके पर असम कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंत्री शिल्पी ने कहा कि आज 'वोट चोर-गद्दी छोड़' का नारा राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

## गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान हादसा, करतब दिखाने में झुलसा युवक

**कोडरमा, एजेंसी।** कोडरमा के जयनगर थाना क्षेत्र के जयनगर बाजार में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हादसा हो गया। जुलूस में करतब दिखाने के प्रयास में 25 वर्षीय युवक अनिल यादव आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल स्थानीय क्लिनिक होते हुए कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल अनिल यादव जयनगर थाना क्षेत्र के लोहाडण्डा ऊपर टोला निवासी है।

**भव्य जुलूस के दौरान हुआ हादसा :** मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक गणपति पूजा समिति जयनगर एवं तूफान क्लब की ओर से भव्य जुलूस निकाला जा रहा था। समिति के अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि जुलूस देवी मंडप से शुरू होकर जयनगर बाजार और डोमचांच मोड़ स्थित एक अन्य देवी मंदिर तक गया। इसके बाद प्रतिमा का विसर्जन जयनगर की पूरब नदी में किया जाना था। जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, इसी दौरान यह अप्रिय घटना घटी।

**करतब दिखाने में लगी आग :** प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घायल युवक कहां से आया और किससे जुड़ा था, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। अचानक उसने अपने मुंह में पेट्रोल भरकर माचिस जलाकर करतब दिखाने की कोशिश की। उसी दौरान उसकी दाढ़ी में पहले से लगे पेट्रोल में आग लग गई। वह लपटों की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाई और उसे पास के क्लिनिक ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

**अस्पताल में जारी है इलाज :** घायल युवक अनिल यादव ने बताया कि करतब दिखाने के क्रम में उनसे चूक हो गई, जिसके कारण वे झुलस गए। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद जुलूस में शामिल लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि समिति के सदस्यों और स्थानीय प्रशासन की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में आ गई। आयोजन समिति ने कहा है कि भविष्य में ऐसे अनजान लोगों को जुलूस में घुसकर खतरनाक करतब दिखाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

## गिरिडीह में पैसों के विवाद में युवक की हत्या, गांव में तनाव का माहौल

**गिरिडीह, एजेंसी।** गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मुंडराडीह गांव में रविवार की देर रात गांव के 35 वर्षीय अनाउल अंसारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, अनाउल अपनी पत्नी लाड़ली बानो के साथ पुराने घर से खाना खाकर नए घर जा रहा था। इसी दौरान गांव की मस्जिद के पास पहले से घात लगाए बैठे मो. मकसूद और उसके परिजनों ने उन्हें घेर लिया और चाकू से हमला कर दिया। पत्नी के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अनाउल गंभीर रूप से घायल हो चुका था।

ग्रामीणों की मदद से घायल अनाउल को गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतक के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जबकि वह चार महीने पहले ही मुंबई से काम छोड़कर गांव लौटा था। मृतक के चाचा मो. हुसैन और पिता मो. जमाल अंसारी ने आरोप लगाया है कि यह हत्या एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई है। उन्होंने बताया कि अनाउल का कुछ लोगों के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। परिवार का कहना है कि इसी रंजिश में साजिश रचकर अनाउल की हत्या की गई है।

घटना की सूचना मिलते ही बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। सब इंस्पेक्टर रणधीर कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में पैसों के विवाद की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है।

हत्या की इस घटना से गांव में तनाव का माहौल है। लोग आक्रोशित हैं और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है।

## चाईबासा में दिनदहाड़े बैंक में रुपये जमा करने गए पेट्रोल पंप कर्मियों पर हमला बोला, 5 लाख रुपये लूट कर फरार

**चाईबासा, एजेंसी।** शहर के बीचो बीच बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के बाहर सोमवार सुबह बड़ी लूट की वारदात हुई। गांधी मैदान के पास स्थित आइबीपी पेट्रोल पंप के मालिक पुनीत सेठिया के दो कर्मचारी विमलेश कुमार और संजय नंदी बैंक में रुपये जमा करने पहुंचे थे। दोनों के पास करीब पांच लाख रुपये थे।

सुबह लगभग 10॰30 बजे जैसे ही दोनों बैंक के गेट के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए तीन अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने रिवॉल्वर के बट से हमला कर विमलेश कुमार को घायल कर दिया और हथियार का भय दिखाकर रुपये से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।

घटना स्थल पर दिन में भीड़भाड़ रहती है, लेकिन किसी ने भी अपराधियों को रोकने की हिम्मत नहीं की। पूरी वारदात बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल विमलेश को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की तलाश जारी है। अपराधी जिस ओर भागे हैं, उधर की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है।

## फलदार पौधों से बढ़ी झारखंड की हरियाली, किसान भी हो रहे मालामाल; ब्लैकबेरी और संतरे पर रिसर्च जारी

**रांची, एजेंसी।** राज्य के आबादी वाले हिस्सों में ग्रीन कवर (हरियाली) बढ़ी है। एक करोड़ 58 लाख 90 हजार से अधिक फलदार पौधे बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत लगाए गए हैं। जबकि 58 लाख इमारती लकड़ियों के पौधे सड़क किनारे लगाए गए हैं।

राज्य के कुल ग्रीन कवर में इसने तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। एक लाख 45 हजार एकड़ में हुए पौधरोपण ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति दी है। आदिवासी बहुल गुमला और लोहरदगा जिले में सबसे ज्यादा पौधे लगाए गए हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में आम, अमरूद और नाशपाती जैसे फलों में राज्य आत्मनिर्भर तो हुआ ही है, बाहर के राज्यों में भी इसे भेजा जा रहा है। ग्रामीण विकास विभाग की इस योजना में खाली पड़ी जमीन में पौधरोपण के लिए सरकार सहायता देती है। राज्य के 264 प्रखंडों में यह योजना चलाई जा रही है।

छोटानागपुर के जंगलों से सटे गावों में ब्लैकबेरी और संतरे के पौधे लगाने पर विचार किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानी सलाहकार संजय पांडे ने बताया कि इन पौधों की नई वेराइटी यहां के पर्यावरण के अनुकूल है।

पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय ने वर्षों से बंजर जमीन में वनीकरण के लिए पौधों की नई वेराइटी तैयार की है। इस साल दिसंबर में एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत ये पौधे लगाए जाएंगे। कोडरमा में इसके लिए निजी भूमि का चयन किया गया है।

## धनबाद का यह पूजा पंडाल होगा खास, वडोदरा के प्रसिद्ध लक्ष्मी विलास पैलेस में विराजेंगी मां दुर्गा

**धनबाद, एजेंसी।** स्टीलगेट का दुर्गोत्सव पिछले 37 वर्षों से धनबाद जिले का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। हर वर्ष अलग-अलग थीम पर तैयार होने वाले इस भव्य आयोजन का इंतजार भक्तों को सालभर रहता है। इस बार श्रीश्री दुर्गा पूजा कमेटी, सरायढेला, कोलाकुसमा ग्राम पंचायत शिव मंदिर परिसर कमेटी गुजरात के वडोदरा स्थित ऐतिहासिक लक्ष्मी विलास पैलेस की तर्ज पर पंडाल तैयार कर रही है। पूरे आयोजन का बजट लगभग 30 लाख रुपये है।

इसमें से सिर्फ पंडाल निर्माण पर ही करीब 16 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल के कलाकार इस पंडाल को आकार दे रहे हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा भी बंगाल के कारीगरों द्वारा बनायी जा रही है। इसपर लगभग तीन लाख रुपये खर्च होंगे। इस वर्ष प्रतिमा की सजावट में पूरी तरह से प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं के आभूषण विभिन्न प्रकार के बीजों से बनाये जा रहे हैं। सरायढेला स्टीलगेट दुर्गोत्सव अब महज पूजा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे धनबाद की सांस्कृतिक धरोहर बन चुका है। यहां हर साल हजारों लोग दर्शन और मेले का आनंद लेने आते हैं। इस बार लक्ष्मी विलास पैलेस की झलक देने वाला पंडाल और बीजों से बने आभूषण भक्तों के लिए अद्वितीय अनुभव साबित होंगे।

पंडाल और प्रतिमा के साथ यहां लगने वाला मेला भी लोगों के आकर्षण का बड़ा केंद्र होगा। इस वर्ष यह मेला सात अक्तूबर तक चलेगा। इसी दिन मुख्य प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। हालांकि जिस प्रतिमा की पूजा की जाएगी, उसका विसर्जन तीन अक्तूबर को संपन्न होगा। अध्यक्ष शंकर प्रसाद सिंह, सचिव प्रेम चंद्र मंडल, उपाध्यक्ष गोकुल चंद्र महतो, प्रेम प्रकाश साव, संयुक्त सचिव हेमंत कुमार मंडल, तपन मंडल, मथुरा प्रसाद महतो, अनिल चंद्र कुंभकार, कोषाध्यक्ष विद्यापति दास, सह-कोषाध्यक्ष संजय कुमार महतो के अलावा कार्यसमिति के 25 सदस्य हैं।

पूजा समिति के अध्यक्ष शंकर प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास हमेशा यही रहता है कि भक्तों को कुछ नया और यादगार देखने को मिले। इस बार लक्ष्मी विलास पैलेस की तर्ज पर पंडाल तैयार किया जा रहा है।

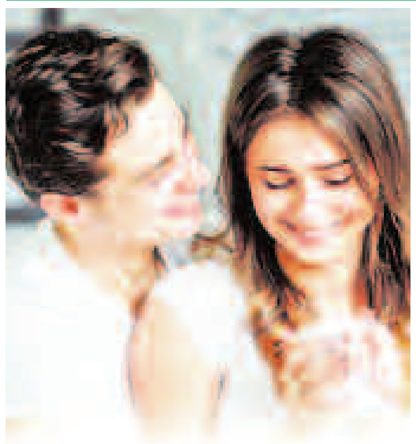

# रिश्ते में फिर से नए रंग भरना चाहती हैं तो आजमाइए ये टिप्स

**जीवन में मध्य काल को पार करने के बाद बहुत से दंपती की रोमांस में दिलचस्पी का कम होते जाना स्वाभाविक है। बहुत से दंपती यह सोचते हैं कि कब उनके साथ प्यारभरी बातें की थी। शायद महीनों हो गए। नतीजा रिश्तों में कडवाहट के रूप में सामने आता है। यदि आप अपने बेजान होते रिश्ते में फिर से प्यार के नए रंग भरना चाहती हैं तो ये टिप्स आजमाइए।**

वैवाहिक जिंदगी में अगर दूरियां जगह बनाने लगें तो समझिए आप दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चल पाएगा। रिश्ते में फिर से गर्माहट लाने के लिए अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से प्यारभरी बातें करें। प्यार से जहां आपको संतुष्टि मिलेगी, वहीं पार्टनर भी आपके करीब आएंगे। शादी के बाद वाला रोमांटिक मूड बनाए रखने के लिए पत्नी हमेशा पति से खूब लाड लडाए, पति की हर मांग और इच्छा को पूरा करने के लिए खुशीखुशी तैयार रहे। पति उसके लिए कुछ अच्छा काम करें, तो पत्नी उन्हें दिल से धन्यवाद देना न भूले। इस रोमांटिक मौसम में एक खूबसूरती सी डेड प्लान करें, रिश्ते की रूमानियत बनाए रखने की जिम्मेदारी भी तो आपकी ही है। ऐसे में एक-दूसरे के साथ टाइम बिताने के लिए डिनर डेट प्लान करें।इतना बेस्ट मौका मिला है टीवी देखते समय, कार में बैठे हुए या साथ चलते हुए, एक-दूसरे का हाथ थामना न भूलें। पार्टनर का ये स्पर्श आपको उन दिनों की याद ताजा करा देगा जब एक-दूसरे का हाथ थामते ही आपके दिल की धडकनें तेज हो जाती थी। रोमांस करने से आत्मसम्मान में बढोत्तरी होती है। पार्टनर को अगर ऑफिस के काम का बोझ सत्ता रहा है, तो उसकी इस परेशानी को आप बहुत हद तक सेक्स के जरिए दूर कर सकते हैं। प्यार आपको साथी के करीब तो लाता ही है, साथ ही आपका तनाव भी दूर करता है। हफ्ते में दो से तीन बार रोमांस करने से ब्लड प्रेशर बराबर रहता है, जिससे स्ट्रेस लेवल कम होता है और ज्यादा खुश रहते हैं।

# सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

**घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।**

## बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

## क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

## ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

## डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

## ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

## आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्राय: सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

# ड्रेस सलेक्ट करते समय रखें कलर का खास ख्याल

करते समय सिर्फ उस आउटफिट के वर्क और स्टाइल पर ही ध्यान नहीं दिया जाता बल्कि उसके कलर का भी खास ख्याल रखा जाता है, क्योंकि हर कलर हर महिला पर सूट करें ये जरूरी नहीं। इसलिए आउटफिट सेलेक्ट करते समय कलर का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। वैसे कलर सिर्फ आपके कॉम्पलेक्शन को ही नहीं, बल्कि फिगर को भी कॉम्प्लीमेंट करता है। जी हां अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो आपको ड्रेस सलेक्ट करते समय उसके कलर का भी खास ख्याल रखना चाहिए। यदि आप कलर पर ध्यान नहीं देती है, तो ये आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता हैं। अगर आपकी बॉडी थोड़ी हैवी है, और आप स्लिम दिखना चाहती है, तो आपको आउटफिट के स्टाइल के साथ ही उसके कलर का खास ध्यान रखने की जरूरत हैं। आइए जानते है कुछ ऐसे कलर के बारे में जो आपको स्लिम लुक दे सकते हैं। अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो अपने वार्डरोब में डार्क कलर को जगह दें। आप डार्क कलर में स्लिम नजर आती है। आप डार्क कलर में ब्लैक, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन या डार्क ग्रे शेड्स चुन सकती है। यह आपको स्लिम लुक देगा। अगर आप स्लिम लुक चाहती है तो मोनोक्रोमैटिक रंग पहनें। मोनोक्रोमैटिक शेड्स पहनने से आपके शरीर का बल्की एरिया पतला नजर आता है। जैसे की हमने पहले ही कहा की कलर के साथ स्टाइल का भी आपको ख्याल रखना है, स्लिम दिखने के लिए सिर्फ एक ही कलर पर आप टिकी न रह जाएं बल्कि इसके बजाय आप डार्क और लाइट शेड्स का कॉम्बिनेशन के साथ भी ट्राई करें। इससे आप स्लिम और स्टाइलिश लुक पा सकती है।

# दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं।

## पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

## संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

## नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

## केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

## आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

# परिवार और खुद को ऐसे सुरक्षित रखें

आजकल 'सायबर किडनैपिंग' शब्द काफ़ी चर्चा में है। अन्य ऑनलाइन ठगी की तरह सायबर किडनैपिंग भी सायबर क्राइम का एक तरीक़ा है। इसमें अपराधी इंटरनेट की मदद से व्यक्ति की सारी जानकारी इकट्ठी करता है और फिर उसे कॉल करता है। वह व्यक्ति को धमकाकर, डराकर और परिजनों को नुक़सान पहुंचाने का हवाला देकर उसकी बताई हुई जगह पर जाने के लिए कहता है। वीडियो कॉल या फोटो मांगकर उस पर नज़र रखता है। वहीं दूसरी तरफ़ व्यक्ति के घर पर फोन करके और नक़ली तस्वीरें या वीडियो भेजकर उसके अपहरण का दावा करता है। जबकि असल में अपहरण होता ही नहीं है। कुछ अपराधी पीड़ित व्यक्ति की नक़ली तस्वीर, आवाज़ या वीडियो बनाने के लिए एआई का सहारा ले रहे हैं।

अपराधी किसी को भी अपना शिकार बना सकते हैं। लेकिन वो लोग या छात्र अधिक जोखिम में हैं जो परिवार से दूर अन्य राज्य या देश में रहते हैं।

## सोशल मीडिया का सावधानी से इस्तेमाल

सोशल मीडिया या मैसेंजर पर अपनी निजी जानकारी ध्यान से साझा करें। परिवार में कौन, कहां रहता है या दिनचर्या क्या है, इसे साझा करने के बचें। कई लोग घर जाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं कि वे कितने दिनों बाद अपने घर-शहर आए हैं। कई लोग अपने प्लानर की तस्वीर भी साझा करते हैं, जिसमें कई ऐसी जानकारियां या दिनचर्या लिखी हो सकती हैं जिन पर अपराधी की नज़र जा सकती है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें। मोबाइल का सॉफ्टवेयर अपडेटेड रखें। मज़बूत पासवर्ड रखें। इनकी मदद से भी ठग आप तक पहुंच सकता है।

## कैसे बच सकते हैं सायबर किडनैपिंग से

### पहले सबूत जुटाएं...

ठग से सबूत के तौर पर पीड़ित से बात कराने के लिए कहें। अगर वो किसी और व्यक्ति को पीड़ित बनाकर बात कराए तो उससे निजी सवाल के जवाब मांग सकते हैं। सवाल ऐसे होने चाहिए जिनका जवाब केवल पीड़ित और आप जानते हों, जैसे कि कोई यादगार लम्हा या हास्य पल आदि। अगर बात करने से वो इंकार करता है तो उसे सवाल पूछने के लिए कहें।

### समझदारी से काम लें...

अपराधी की आवाज़ ध्यान से सुनें। उसके बोलने के तरीक़े और पीछे से आने वाली आवाज़ पर ध्यान दें। इससे अपराधी तक पहुंचने में मदद मिल सकेगी। अगर हो सके तो उसी वक़्त दूसरे फोन से पीड़ित से संपर्क करें। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित होते ही पता लग जाएगा कि फोन ठगी के लिए है।

### मदद ज़रूर लें...

इस तरह के फोन आने पर घबराएं नहीं। उसके कहने पर फौरन कोई फ़ैसला लेने से बचें। ठग कुछ भी करने के लिए कहता है तो उस समय उसको हां कह दें ताकि उसे लगे कि आप उसकी बात मान रहे हैं। लेकन उसके बाद पुलिस और सायबर सेल की मदद लें।

### परिवार को बताएं...

अगर सायबर किडनैपिंग का शिकार बनाने की मंशा से ठग कॉल करता है तो फौरन इसकी जानकारी परिवार को दें ताकि वे भी सचेत हो जाएं। सबूत के लिए ठग की कॉल रिकॉर्ड करें या मैसेज का स्क्रीनशॉर्ट ले लें।

## डॉलर से दूरी, सोने से प्यार... विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने नया तरीका आजमा रहा भारत?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए एक नया तरीका अपनाया है। अब रिजर्व बैंक अमेरिकी ट्रेजरी बिलों की बजाय सोने में ज्यादा निवेश कर रहा है। इसका मतलब है कि भारत सरकार अपनी बचत को सिर्फ डॉलर में रखने के बजाय अलग-अलग चीजों में बांट रही है। यह बदलाव दुनिया भर में हो रहा है, क्योंकि कई देश अब डॉलर पर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहना चाहते। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग और रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने पिछले साल के मुकाबले इस साल जून में अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में कम निवेश किया। लेकिन सोने का भंडार बढ़ा दिया है। फिर भी, भारत अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में निवेश करने वाले टॉप 20 देशों में शामिल है। यह सऊदी अरब और जर्मनी से भी आगे है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार जून 2025 में भारत के पास 227 अरब डॉलर के अमेरिकी ट्रेजरी बिल थे। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 242 अरब डॉलर था।

# भारत और चीन की बढ़ती व्यापारिक नजदीकी बढ़ाएगी अमेरिका की बेचैनी

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने एशियाई व्यापारिक राजनीति की दिशा बदलने वाले संकेत दिए हैं। असली सवाल है, क्या भारत-चीन का संभावित आर्थिक तालमेल अमेरिका की उस रणनीति को चुनौती देगा, जिसे उसने इंडो-पैसिफिक में मजबूती से गढ़ा था?

अमेरिकी और पश्चिमी थिंक टैंक का मानना है, भारत-चीन के बीच बढ़ती व्यापारिक नजदीकी वाशिंगटन की बेचैनी में लगातार इजाफा करेगी। वाशिंगटन का ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन कहता है कि भारत-चीन आपूर्ति श्रृंखला पर कामयाब साझेदारी करते हैं तो अमेरिका पर दोगुना दबाव पड़ेगा। लंदन का चैथम हाउस ने कहा, अमेरिका को समझ लेना चाहिए कि एशिया केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदार भी बन रहा है।

काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस का कहना है, भारत-चीन क्षेत्रीय व्यापार ढांचा गढ़ते हैं, तो यह अमेरिका के लिए दोहरी चोट होगी। पहली, निर्यातकों पर प्रतिस्पर्धा का दबाव और दूसरी, इंडो-पैसिफिक में अमेरिकी क्षरण। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा, भारत-चीन में व्यापारिक

गर्माहट एशियाई अर्थव्यवस्था के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। रूसी अर्थशास्त्री और ब्रिक्स के प्रमुख रणनीतिकार सर्गेई ग्लाजयेव ने कहा, भारत-चीन व रूस स्थानीय मुद्राओं या ब्रिक्स के वैकल्पिक भुगतान तंत्र का उपयोग करते हैं तो यह अमेरिकी प्रतिबंधों और टैरिफ नीतियों को अप्रभावी बना देगा। ब्रुकिंग्स के अनुसार 2023-24 में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार लगभग 118 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने अमेरिका को 78 अरब डॉलर का निर्यात किया और अमेरिका से 40 अरब डॉलर का आयात किया। इस लिहाज से भारत को अमेरिका के साथ लगभग 38 अरब डॉलर का सकारात्मक व्यापार संतुलन मिला है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए आईटी सेवाओं, फार्मा और इंजीनियरिंग गुड्स का सबसे बड़ा गंतव्य है, जबकि अमेरिका को भारत से रेडीमेड गारमेंट्स, आभूषण और ऑटो कंपोनेंट्स का भी बड़ा निर्यात होता है। ट्रंप के नए टैरिफ से भारत की यह बढ़त खतरे में आ सकती है। अगर भारत-चीन आपसी तालमेल से एशिया में वैकल्पिक सप्लाई चैन मजबूत करते हैं, तो अमेरिकी आयातकों को झटका लगेगा और भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता और ज्यादा मजबूत होगी।

## 80 तक जाएगा सुजलॉन एनर्जी का ग्रीन स्टॉक !

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
करेज फर्म मोतीलाल ओसवाल को उम्मीद है कि सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिलेगी। ब्रोकरेज हाउस ने इस ग्रीन स्टॉक को टैग दिया है। आज सोमवार को सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। बीएसई में सुजलॉन के शेयर 56.86 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। दिन में यह स्टॉक 2.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 57.86 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि इस स्टॉक में 42 प्रतिशत की तेजी हासिल करने की क्षमता है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक को टैग दिया है। साथ ही 80 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

**शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन पिछले एक साल में कैसा?:** ज्यादातर चर्चित कंपनियों की तरह सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का भाव 24 प्रतिशत गिरा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स

में 2.69 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, निवेशकों के लिए राहत की बात यह है कि 6 महीने में सुजलॉन एनर्जी का शेयर 15.44 प्रतिशत बढ़ा है। सुजलॉन एनर्जी का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो लेवल 46 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 78,578.10 करोड़ रुपये का है। बता दें, बीते 5 साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 1614 प्रतिशत की तेजी आई है। सुजलॉन एनर्जी का जून तिमाही के दौरान 3244.40 करोड़ रुपये रेवन्यू रहा है। जोकि सालाना आधार पर 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, अप्रैल से जून 2025 के दौरान इस ग्रीन स्टॉक का नेट प्रॉफिट 469.50 करोड़ रुपये रहा है।

## पावर स्टॉक में तूफानी तेजी, बिजली सप्लाई करने को लेकर हुई बड़ी डील

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टोरेंट पावर के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त उछाल आया है। टोरेंट पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में इंट्राडे के दौरान करीब 7 पर्सेंट उछलकर 1313.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पावर कंपनी को एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। यह लेटर ऑफ अवॉर्ड कंपनी के आगामी 1600 मेगावॉट के कोयला आधारित प्लांट से बिजली की सप्लाई करने के लिए मिला है। इस प्लांट में 22,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। टोरेंट पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2037.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1207.20 रुपये है।

**प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के बाद मिला लेटर ऑफ अवॉर्ड:** टोरेंट पावर ने घोषणा की है कि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की तरफ से मैनेज की गई कॉम्पिटिटिव बिडिंग प्रोसेस (प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया) में उसकी भागेदारी के बाद लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किया गया है। लेटर ऑफ अवॉर्ड में 5.829 रुपये का टैरिफ तय किया गया है। इस प्रोजेक्ट में करीब 22000 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट होगा, यह पावर सेक्टर में टोरेंट ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा फाइनेंशियल कमिटमेंट होगा। टोरेंट पावर की मध्य प्रदेश में एक ग्रीनफील्ड अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट लगाने की योजना है। इस प्लांट की कैपेसिटी 2-800 मेगावॉट होगी। प्लांट से पूरे आउटपुट की सप्लाई एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी को की जाएगी। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, कोल मिनिस्ट्री की तरफ से तय की गई शक्ति पॉलिसी के मुताबिक पावर प्लांट के लिए जरूरी कोयला सुनिश्चित करेगी। 25 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर दस्तखत के 72 महीनों के भीतर प्रोजेक्ट लॉन्च किया जाना है। इस पहल से प्लांट के कंस्ट्रक्शन चरण के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष 8000 से 10000 रोजगार के मौके बनेंगे।

## एक्सपर्ट को उम्मीद 1000 के पार जाएगा सेमीकंडक्टर स्टॉक, मिला ओवरवेट रेटिंग

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
लॉन्ग टर्म में निवेशकों को मोटार रिटर्न देने वाली कंपनी सीजी पावर लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली थी। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 4.60 प्रतिशत की उछाल के साथ बंद हुए थे। इस मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। बता दें, सीजी पावर ने बीते हफ्ते एक बड़ी खबर साझा की थी। सीजी पावर ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि उन्होंने गुजरात में एक एसेंबली और टेस्टिंग सेंटर लॉन्च किया है। इसी खबर ने शुक्रवार को शेयरों में तेजी लाई थी। बता दें, भारत सरकार का

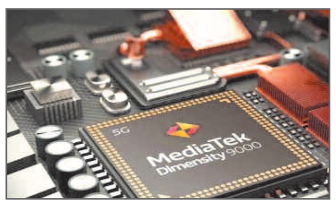


फोकस सेमीकंडक्टर पर इस समय खूब है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने सीजी पावर लिमिटेड को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 1044 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। पिछले 6 महीने में यह मल्टीबैगर स्टॉक 21 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 0.94 प्रतिशत गिरा है। हालांकि, यह सेंसेक्स इंडेक्स की 2.83 प्रतिशत की गिरावट से कम है। कंपनी का 52 वीक हाई 874.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 518.35 रुपये है।

### यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है

## 17 साल का टूटा रिकॉर्ड, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जबरदस्त उछाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगस्त महीने में भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और तेजी से आगे बढ़ा है। मजबूत मांग के कारण फैक्टरी ऑर्डर और उत्पादन में तेजी आई है, जिसने पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स को 17 साल से भी ज्यादा के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया है। सीजनली एडजस्टेड एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त में बढ़कर 59.3 पर पहुंच गया, जो जुलाई में 59.1 था। यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों (कारोबारी हालात) में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है। नए ऑर्डर्स और उत्पादन में मजबूत वृद्धि ने कंपनियों को कच्चा माल खरीदने और नई नौकरियां देने के लिए प्रेरित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों ने अतिरिक्त सामग्री खरीदने की रफ्तार तेज की और अधिक नौकरियां सृजित कीं, जो आंशिक रूप से भविष्य के आउटलुक को लेकर सकारात्मक उम्मीदों को दर्शाता है। इनपुट स्टॉक (कच्चे माल का स्टॉक) में और वृद्धि हुई, जबकि तैयार माल की इन्वेंटरी नौ महीने में पहली बार बढ़ी। इसका मतलब है कि कंपनियां भविष्य में और मांग की उम्मीद कर रही हैं और उसके लिए तैयारी कर रही हैं। हालांकि, कंपनियों ने अपने सेलिंग प्राइस में उल्लेखित वृद्धि की, लेकिन लागत का दबाव अभी भी नियंत्रण में बना हुआ है। यह एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है क्योंकि इससे मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने में मदद मिलती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस तेजी का सीधा फायदा रोजगार बाजार को मिल रहा है। मजबूत विकास ने कंपनियों को नई नौकरियां पैदा करने और अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। लगातार दूसरे महीने पीएमआई का 59 के ऊपर बने रहना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रिकवरी के रास्ते पर है। नए ऑर्डर्स की बढ़ती मांग, बढ़ता उत्पादन और बढ़ती नौकरियां देश के आर्थिक भविष्य के लिए एक सुनहरे युग की शुरुआत जैसा महसूस करा रही हैं।

## होम लोन के भारी ब्याज से राहत चाहते हैं, तो जरूर अपनाएं खास तरीका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोविड-19 काल के बाद से मकान की कीमतों में भारी तेजी देखने को मिली है।दिल्ली, नोएडा, गुरूग्राम या देश के किसी भी बड़े शहर में मकान खरीदना अब चुनौती बन गई है। अगर होम लोन लेकर मकान खरीदते हैं, तो मूल कर्ज से ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ता है। निवेश सलाहकारों का कहना है कि होम लोन के भारी ब्याज से बचने के लिए ईएमआई शुरू होने के साथ एसआईपी में निवेश करना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप ईएमआई के 12 से 15 फीसदी के बराबर रकम हर माह एसआईपी में डालते हैं, तो होम लोन खत्म होते-होते आपके पास उस पर लगने वाले भारी भरकम ब्याज जितना पैसा जमा हो जाएगा। अगर आप 20 साल की अवधि के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दर पर 50 लाख रुपये का होम लोन ले रहे हैं, तो हर महीने 42,603 रुपये की ईएमआई बनेगी। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपको ब्याज के रूप में 52.24 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान करना होगा।

# जीएसटी में सुधार की उम्मीद से वाहन-एसी की खरीद टाल रहे ग्राहक-दुकानदार

### ● 25-30 फीसदी का होगा असर ● ब्रांडों के साथ कंपनियों की चल रही चर्चा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
जीएसटी स्लैब को चार से घटाकर दो करने के प्रस्ताव के बाद से ग्राहक व दुकानदार महंगी सामानों को खरीदने से बच रहे हैं। इनका मानना है कि इस हफ्ते टैक्स घटने से इनको भारी फायदा हो सकता है। जिन सामानों की खरीदी कम या पूरी तरह ठप हो गई है, उनमें प्रमुख रूप से वाहन, एसी, फ्रिज समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम शामिल हैं। दुकानदारों को डर है कि अभी सामान खरीदने से उनको जीएसटी घटने के बाद सस्ते में बेचना पड़ सकता है।

जीएसटी परिषद इसी सप्ताह 3-4 सितंबर को बैठक करेगी। इसमें मंत्रियों के समूह के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। अंतिम निर्णय के बाद मौजूदा चार स्लैब 5,12,18 और 28 फीसदी

में से केवल 5 एवं 18 फीसदी के स्लैब रह जाएंगे। ऐसे में 28 फीसदी वाली वस्तुएं 18 फीसदी के दायरे में आ जाएंगी। इससे उपभोक्ताओं को फायदा की उम्मीद है।

जिन सामानों पर टैक्स घटने की उम्मीद है, उनमें वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर (एसी) और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर नवीन मालपानी ने कहा, जीएसटी 2.0 के लागू होने की तैयारी से ई-कॉमर्स क्षेत्र में उपभोक्ता व्यवहार खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों जैसे ऊंचे दाम वाले सामानों में बदलाव देखने को मिल रहा है। ग्राहक देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना रहे हैं। वहीं, वाहन उद्योग का मानना है कि मांग मजबूत है। लेकिन, उन्होंने देखो और इंतजार करो की रणनीति अपनाई है। निर्णय लेने में देरी से नए वाहनों की बिक्री पर असर पड़ रहा है। उम्मीद है कि सितंबर के पहले सप्ताह के बाद ग्राहकों का विश्वास बढ़ेगा, जिसका असर खरीद-बिक्री की गतिविधियों में देखने को मिलेगा। हालांकि, निकट भविष्य में बिक्री में अस्थायी गिरावट आ सकती है। लेकिन, नई व्यवस्था पर स्पष्टता आने के बाद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पूरे साल का एक चौथाई राजस्व त्योहार में कमाते हैं। जीएसटी दरों में कमी से त्योहारी सीजन में ग्राहकों को अधिक आत्मविश्वास से खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इससे मांग को बढ़ावा मिल सकता है।

**बीमा प्रीमियम का भुगतान भी रोक रहे पॉलिसीधारक**

स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की चर्चा है।इससे जिन ग्राहकों को पॉलिसी अभी रिन्यू करानी है, वे इसे रोक रहे हैं।नियमों के अनुसार बीमा प्रीमियम तय समय से 15 दिन या एक महीने बाद भी भरा जा सकता है जिस पर कोई जुर्माना नहीं है।

### रतन टाटा का एक फोन कॉल आया और सबकुछ बदल गया

## रियल एस्टेट के महारथी हीरानंदानी बता रहे हैं

**ई दिल्ली, एजेंसी।**
भी-कभी किसी महान हस्ती के थ वक्त बिताने का मौका मिल ए तो महसूस होता है कि जीवन कितना कुछ बदल जाता है। सा ही कुछ हुआ रियल एस्टेट के हारथी निरंजन हीरानंदानी के थ। हीरानंदानी ने हाल ही में र्ली टेल्स पर काम्या जानी के थ बातचीत में एक अनूठी टना की जानकारी दी। यह कया दिवंगत उद्योगपति रतन टा से जुड़ा है। वह बताते हैं कि घटना का उन पर गहरा असर आ था।

**रतन टाटा ने फोन कर छा..:** हीरानंदानी ने बताया कि ह वाकया साल 2024 का है। न था, एक अगस्त। उस दिन न टाटा ने उन्हें फोन किया और छा निरंजन, क्या तुम मेरे साथ क नए ट्रस्ट, टाटा पार्किंसन ट्रस्ट ट्रस्टी बनोगे? वह कहते हैं मैं या कह सकता था? उन्हें मुझ पर श्वास था, और मैं उस ट्रस्ट में

को-ट्रस्टी बन गया। इस घटना के दो महीने बाद ही रतन टाटा का निधन हो गया था। उल्लेखनीय है कि रतन टाटा का निधन 9 अक्टूबर 2024 को हुआ था। हीरानंदानी बताते हैं कि यह एक ऐसा अनुरोध था जिसे वे कभी मना नहीं कर सकते थे, क्योंकि दोनों के बीच बहुत सम्मान और विश्वास था।

**यूं ही नहीं मिल गया यह मुकाम:** ऐसा नहीं है कि निरंजन हीरानंदानी ने कदम बढ़ाया और यह मुकाम हासिल हो गया। रियल एस्टेट में नाम कमाने से पहले, उन्होंने कई अलग-अलग काम किए। उन्होंने पहले एक शिक्षक के रूप में काम किया। फिर उन्होंने एक कपड़ा मिल चलाने की कोशिश की लेकिन इसमें सफल नहीं हुए। वह भी मानते हैं कि उनके करियर के शुरुआती साल असफलताओं से भरे थे।

**भाग्य से नहीं होता यह सब:** उन्होंने बताया, बुरे दिन कई बार आए। जब कुछ सफल होता था, तो लोग कहते थे कि तुम भाग्यशाली थे, शहर बढ़ गया, तुमने सही समय पर जमीन खरीदी, यह हुआ, और वह हुआ। लेकिन सफलता सिर्फ किस्मत से नहीं मिलती। पहली सफलता के बाद और आगे बढ़े। अपनी पहली सफलता के बाद, हीरानंदानी ने और आगे बढ़ने का फैसला किया। उन्होंने ठाणे में हीरानंदानी एस्टेट शुरू किया। उस समय कई बिल्डर उस इलाके से दूरी बना कर चल रहे थे। वह बताते हैं हमने अगला प्रोजेक्ट, हीरानंदानी एस्टेट ठाणे में शुरू किया। यह ऐसी जगह थी जहां कोई भी बिल्डर काम नहीं करना चाहता था। हमने उस प्रोजेक्ट को भी सफल बनाया। बात यह है कि ऐसे प्रोजेक्ट बार-बार सफल हो सकते हैं, और हम ऐसा करते रहेंगे। आज, रियल एस्टेट में हीरानंदानी को कौन नहीं जानता। ऐसा नहीं है कि हीरानंदानी सिर्फ अपने वेंचर को ही आगे बढ़ाते हैं। यदि कहीं कुछ अच्छा हो रहा है तो उसे सराहते भी हैं।

### चांदी का भाव रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा

## हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में दिखी 5 से अधिक की तेजी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अनिल अग्रवाल की सब्सिडियरी कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। 1 सितंबर को यह स्टॉक निफ्टी500 इंडेक्स के टॉप गेनर्स में से एक रहा है। इसी के साथ हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयरों में बीते 3 कारोबारी दिन से चली आ रही गिरावट पर रोक लग गया है। बता दें, बीएसई में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयर 424.35 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 443 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था। इस माइनिंग कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह चांदी की कीमतों में उछाल है। चांदी का भाव घरेलू बाजार के साथ-साथ इंटरनेशनल मार्केट में एक बड़ी ऊंचाई पर बंद हुआ है। बीते एक महीने के दौरान सिल्वर की कीमतों में 5 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में चांदी का भाव 35 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, एमसीएक्स में भी चांदी का भाव आज रिकॉर्ड हाई पर है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड दुनिया की 5 सबसे बड़ी चांदी उत्पादन करने वाली कंपनियों में से एक है। हालांकि, वित्त वर्ष 2025 में चांदी का प्रोडक्शन नीचे गिर गया था। जोकि वित्त वर्ष 2026 में चांदी प्रोडक्शन कंपनी 700 टन तक हासिल कर सकती है।

## इतिहास रचने की तैयारी में मुकेश अंबानी !

### 44 लाख शेयरहोल्डर्स को होगा फायदा?

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
मुकेश अंबानी अब शेयर बाजार की दुनिया में इतिहास रचने की तैयारी में हैं। कंपनी का आने वाला आईपीओभारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा और रिकॉर्ड-तोड़ आईपीओ माना जा रहा है। ऐसे में पूरे निवेश जगत की नजरें रिलायंस इंडस्ट्रीज पर टिक गई हैं। खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज के 44 लाख शेयरहोल्डर्स की निगाहे जियो आईपीओ पर हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि कंपनी की सब्सिडियरी जियो प्लेटफॉर्म को सीधे स्टॉक मार्केट में लिस्ट कराया जाएगा। लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज के 44 लाख मौजूदा शेयरधारकों के लिए यह उतना सीधा फायदा देने वाला नहीं है, जितना पहले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के स्पिन-ऑफ के समय हुआ था। तब आरआईएल के हर शेयरधारक को सीधे शेयर मिले थे, जिससे उन्हें त्वरित लाभ हुआ। मगर इस बार आईपीओ में मौजूदा रिलायंस शेयरधारकों को छ्ब्बश के अलग-से शेयर नहीं मिलेंगे। बता दें कि हाल ही में

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो अगले साल की पहली छमाही में अपना आईपीओ लेकर आएगी और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगी। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो इस समय आरआईएल की एक सब्सिडियरी कंपनी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कहा, जियो अपने आईपीओ के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर रही है।

# विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

## भाला फेंक में भारत के सबसे अधिक खिलाड़ी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमश- पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे।

# दर्द से जूझते हुए जीते नोवाक जोकोविच

## 38 साल की उम्र में वो कर दिया जो किसी ने नहीं किया था

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** नोवाक जोकोविच रविवार यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे।

### पहले सेट में ही जोकोविच को हुई दिक्कत

नोवाक जोकोविच 4-0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15-लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30-लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30-लव की बढ़त लेने के बाद भी वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

### जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

### क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6-4, 6-3, 6-3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

## विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

# नंदिनी के न चुने जाने पर विवाद, AFI प्रवक्ता को देनी पड़ी सफाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं। हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला

ने रविवार को स्पष्ट किया कि एशियाई चैम्पियन हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा को अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए 19 सदस्यीय टीम से बाहर सिर्फ फिटनेस कारणों से किया गया है।नंदिनी ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया था। उन्होंने पहले बताया था कि वह टोक्यो में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि मई में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान उनकी कोहनी में चोट लग गयी थी। वह इस चोट से अब तक पूरी तरह से उबर नहीं पाई हैं। सुमरिवाला ने टीम की घोषणा के बाद ऑनलाइन बातचीत में कहा, नंदिनी का 2023 में हांगझोऊ में एशियाई खेलों के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने विरोध किया था, लेकिन मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि उन्हें विश्व एथलेटिक्स ने क्लीन चिट दे दी थी। वह स्वप्ना बर्मन की शिकायत का जिक्र कर रहे थे। स्वप्ना ने हांगझोऊ में कांस्य पदक जीतने वाली नंदिनी पर आरोप लगाए थे। स्वप्ना चौथे स्थान पर रही थी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं। हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। विश्व एथलेटिक्स ने हाल ही में सभी सदस्य देशों को निर्देश दिया था कि वे टोक्यो में होने वाली चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का एसआरवाई (सेक्स-डिटर्मिनिंग रीजन वाई) जीन टेस्ट करवाएं। यह टेस्ट मुख्य रूप से यह पहचानने के लिए किया जाता है कि भ्रूण विकास के दौरान पुरुष लिंग निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एसआरवाई जीन मौजूद है या नहीं। उन्होंने नंदिनी को हटाये जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, तीसरी बात, यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इसे सार्वजनिक रूप से चर्चा में नहीं लाया जा सकता। विश्व एथलेटिक्स के गोपनीयता नियम होते हैं।

# टिम साइफर्ट ने ठोका सीपीएल के इतिहास का सबसे तेज शतक

## 94 रन तो सिर्फ चौके-छक्के से बनाए, तोड़े ये 3 रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** न्यूजीलैंड के 30 साल के बल्लेबाज टिम साइफर्ट ने छ्क्क 2025 में बड़ा धमाका किया है. उन्होंने कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक ठोकते हुए इस मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है. अब दोनों के नाम छ्क्क में सबसे तेज 40 गेंदों पर शतक ठोकने का रिकॉर्ड दर्ज है. टिम साइफर्ट ने सबसे तेज शतक के मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी 31 अगस्त को एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ खेले मुकाबले में की. वो इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे थे. साइफर्ट ने अपना शतक 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमाया, जिसके बाद उनकी टीम तो जीती ही, साथ ही उससे जुड़े 3 बडे रिकॉर्ड भी टूटे.

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 204 रन बनाए थे. जवाब में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे टिम साइफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे जता दिए. वो एक बार जो क्रीज पर आए तो फिर मैच जिताकर ही गए.

**94 रन सिर्फ चौके-छक्के से, 40 गेंदों में किया शतक पूरा** - टिम साइफर्ट की कुल इनिंग 53 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने नाबाद 125 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 9 छक्के और 10 चौके लगाते हुए अपनी इनिंग के कुल 94 रन बाउंड्रीज से बनाए. 125 रन की इस पारी के दौरान टिम साइफर्ट ने अपना शतक 40वीं गेंद पर सिंगल के साथ पूरा किया. ये छ्क्क में टिम साइफर्ट का पहला शतक है. जबकि, उनके ञ्20 करियर का ये चौथा शतक है. टिम साइफर्ट की विस्फोटक पारी की बदौलत उनकी टीम सेंट लुसिया किंग्स ने मुकाबला 17.5 ओवर में ही 4 विकेट खोकर जीत लिया. मतलब, उसने 6 विकेट से मैदान मारा. अब टीम के इस मैदान मारने के दौरान टिम साइफर्ट ने उससे रिलेटेड 3 बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए.

# यूएस ओपन के दौरान सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफियां चोरी

## टेनिस खिलाड़ी ने इंस्टा पोस्ट में जानकारी दी; लिखा- यह मेरे लिए खास

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** न्यूयॉर्क में चल रहे साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दौरान ट्रॉफियां चोरी होने का मामला सामने आया है। रोमानिया की टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने सोशल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम में एक स्टोरी पोस्ट कर लिखा कि एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। 35 साल की सोराना महिलाओं के एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा, जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है। कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है, लेकिन भावनात्मक कीमत है।

# एमएस धोनी की धरती से निकला नया सितारा

## झारखंड के स्पिनर ने दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच में ही की विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र 2025-26 धमाकेदार अंदाज में शुरू हुआ है। बेंगलुरु में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए, लेकिन असली चर्चा गेंदबाजों के असाधारण कारनामों की रही। इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां झारखंड के 21 वर्षीय युवा स्पिनर मनीषी ने बटोरीं। मनीषी ने दलीप ट्रॉफी में अपने डेब्यू मैच में ही ऐसे विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, जो अब तक कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। मनीषी ने ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में छह विकेट चटकाए। दिलचस्प बात यह रही कि ये सभी विकेट उन्होंने एलबीडब्ल्यू के रूप में हासिल किए। शुभम खजूरिया (26 रन), अंकित कुमार (30 रन), यश ढुल (39 रन), कन्हैया वधावन (76 रन), आकिब नबी (44 रन) और हर्षित राणा (7 रन) उनके शिकार बने। प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में यह कारनामा मात्र छठी बार देखने को मिला है, जबकि किसी भारतीय गेंदबाज ने पहली बार यह उपलब्धि अपने नाम की है। मनीषी ने इस उपलब्धि से इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन (2021) और मार्क इलॉट (1995), श्रीलंका के चामिंडा वास (2005) तथा पाकिस्तान के ताबिश खान (2011) जैसे बड़े नामों की सूची में जगह बनाई। झारखंड की धरती पहले भी भारतीय क्रिकेट को बड़े सितारे दे चुकी है।

## ये पटका, वो मारा...

# लियोनेल मेसी के साथियों ने की डब्ल्यूडब्ल्यूई वाली लड़ाई, मैदान पर खूब पटकी-पटका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लीग्स कप के फाइनल में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जहां लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को सिएटल साउंडर्स ने 3-0 से करारी शिकस्त दी और ट्रॉफी से उन्हें दूर कर दिया। मैच से पहले इंटर मियामी को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन सिएटल साउंडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें पूरी तरह से पछाड़ दिया। इस मुकाबले के बाद एक बड़ा घटना भी हुई, जहां दोनों टीमों के खिलाफ आपस में ही भिड़ गए और फुटबॉल के मैदान को डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में बदल दिया।

**मैच के बाद लुइस सुआरेज और इंटर मियामी के खिलाड़ियों के बीच मार पीट** - मैच के बाद हुई घटना ने सबको चौंका दिया। हार से गुस्साए लुइस सुआरेज ने 20 साल के खिलाड़ी ओबेद वर्गास के साथ हाथापाई शुरू कर दी। सिएटल के खिलाड़ी जब अपनी जीत का जश्न मना रहे थे, तब सुआरेज ने वर्गास को पकड़कर उनका गला दबा दिया। इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई शुरू हो गई और कुछ खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को मुक्के भी मारे।

# रणजी में 55 से ज्यादा का औसत, टी-20 तक सीमित नहीं रहना चाहते रिंकू, इस खिलाड़ी की तरह देना चाहते हैं भारतीय टीम को सेवा

**नइ 'दिल्ली, एजेंसी।** एशिया कप 2025 से पहले यूपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले रिंकू सिंह को टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं रहना चाहते। रिंकू को टी20 स्पेशलिस्ट का टैग पसंद नहीं है। भारत के लिए टेस्ट खेलना उनका सपना है। यही वजह है कि उन्होंने टी20 स्पेशलिस्ट कहने पर रणजी ट्रॉफी में अपने बल्लेबाजी औसत का जिक्र किया। रिंकू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हैं। उन्होंने 50 मैच की 72 पारियों में 54.68 के औसत से 3336 रन बनाए हैं। इसमें 7 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। नाबाद 163 उनका सर्वोच्च स्कोर है। रिंकू सिंह के आइडल भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना हैं। वह रैना की तरह भारतीय टीम को योगदान देना चाहते हैं।

**रिंकू सिंह खुद को सभी प्रारूप का खिलाड़ी मानते हैं** - इंटरव्यू में टी20 स्पेशलिस्ट कहे जाने के सवाल पर रिंकू ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं छक्के लगाता हूं तो प्रशंसकों को बहुत अच्छा लगता है और मैं इसके लिए सचमुच आभारी हूं। लेकिन मेरा रणजी ट्रॉफी औसत भी बहुत अच्छा है,वहां मेरा औसत 55 से ज्यादा है। मुझे लाल गेंद से क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है।

- **मौका लपकने को तैयार रिंकू** - रिंकू सिंह ने कहा, मैंने भारत के लिए दो वनडे मैच भी खेले हैं और उनमें से एक में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ टी20 का खिलाड़ी हूं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे मौका मिले तो मैं हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। मुझे एक प्रारूप के खिलाड़ी का टैग पसंद नहीं है। मैं खुद को सभी प्रारूपों के खिलाड़ी के रूप में देखता हूं। मेरा सपना भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना है और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं इसे लपकने के लिए तैयार हूं।
- **सुरेश रैना हैं रिंकू सिंह के आदर्श** - सुरेश रैना को अपना आदर्श बताते हुए रिंकू सिंह ने कहा, फ्तसुरेश रैना भैया मेरे आदर्श हैं। वह हमेशा मुझसे कहते हैं, 'रिंकू, हर चीज के लिए तैयार रहना।

# जय शाह ने महिला क्रिकेटरों के लिए खोला खजाना, वर्ल्ड कप में पुरुषों से 34 करोड़ ज्यादा होगी प्राइज मनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिला क्रिकेट विश्व कप की विजेता टीम को टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले संस्करण में 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) से बढ़कर 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (39.55 करोड़ रुपये) हो गई है। जय शाह की अध्यक्षता वाली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार (1 सितंबर) को यह घोषणा की। 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। कुल मिलाकर, आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है, आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए कुल 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि की घोषणा की है। यह 2023 में हुए पुरुषों के विश्व कप से 34 करोड़ रुपये ज्यादा है। भारत में हुए उस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.21 करोड़ रुपये) थी।

**297 प्रतिशत की वृद्धि** - आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।'' न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपये थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

**उपविजेता को 19.77 करोड़ रुपये** - महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

- **प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 22 लाख रुपये मिलेंगे** - ग्रुप चरण में जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे।
- **जय शाह क्या बोले** - आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है।

सुमोना चक्रवर्ती की कार पर मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने किया हमला

# वो मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था...

एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर आपबीती शेयर करते हुए बताया कि 31 अगस्त को साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान उनकी कार पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनकी कार को रोका, बोनट पर मारा और जय महाराष्ट्र के नारे लगाए। एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लंबा-चौड़ा पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि 31 अगस्त को उन्हें साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे लोगों ने उनकी कार पर हमला कर दिया था। जिससे वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रही थीं। उन्होंने बताया कि ये वाकया दोपहर के वक्त हुआ, जब वह कोलाबा से फोर्ट जा रही थीं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर आपबीती सुनाई है। सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज दोपहर 12:30 बजे। मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी। और अचानक-मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था। अपने पेट को मेरी कार से सटा रहा था। मेरे सामने वो झूमने लगा। उसके साथी मेरे कार के शीशे के पास आकर जय महाराष्ट्र चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। हम थोड़ा आगे बढ़े और फिर वैसा ही हुआ। 5 मिनट के अंतराल में दो बार।

## सुमोना ने बताया मुंबई का खौफनाक मंजर

सुमोना ने आगे बताया कि पुलिसवाले वहीं थे लेकिन वह बैठे हुए थे और कुछ नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह साउथ बॉम्बे में दिन के उजाले में भी खुद को अनसेफ फील कर रही थीं। और सड़कों पर केले के छिलके, प्लास्टिक की बोतलें और गंदगी बिखरी हुई थी। एक्ट्रेस ने बताया कि फुटपाथ पर लोगों ने कब्जा कर लिया था। प्रदर्शनकारी विरोध के नाम पर खा रहे हैं, सो रहे हैं, नहा रहे हैं, खाना बना रहे हैं, पेशाब कर रहे हैं, शौच कर रहे हैं, वीडियो कॉल कर रहे हैं, रील बना रहे हैं।

# अल्लू ने दादी को किया याद

**अभिनेता** अल्लू अर्जुन की दादी, अल्लू कनकरत्नम का निधन शनिवार को हो गया था। वो 94 वर्ष की आयु में इस दुनिया को छोड़कर चली गईं, उनका अंतिम संस्कार कोकापेट में हुआ। शनिवार को जब उनका निधन हुआ तो एक्टर अल्लू अर्जुन मुंबई में शूटिंग कर रहे थे। वे शूटिंग बीच में छोड़कर तुरंत हैदराबाद पहुंचे। रविवार को 'पुष्पा-2' स्टार अल्लू अर्जुन ने उन्हें याद करते हुए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर किया। एक्टर ने अपनी दादी की एक तस्वीर भी पोस्ट की। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, हमारी प्रिय दादी अल्लू कनकरत्नम गारु अब स्वर्ग सिधार चुकी हैं। उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमेशा हमारी यादों में जिंदा रहेगा। हम सबको हर दिन उनकी कमी खलेगी। जिन्होंने प्रेम और संवेदनाएं हमारे साथ साझा कीं, उन सभी का दिल से आभार। दूर बैठे लोगों की प्रार्थनाएं और दुआएं भी हमें उतनी ही महसूस हुईं। आप सभी के प्रेम और सहयोग के लिए कृतज्ञ हैं। अल्लू अर्जुन और उनकी दादी के बीच काफी घनिष्ठ प्रेम था। 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के बाद जब अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया गया था, तब उनकी दादी बहुत दुखी हुई थीं। बाद में जब वे घर वापस आए थे, तो एक्टर की दादी ने उनकी नजर उतारी थी। इसका वीडियो अल्लू ने शेयर किया था। इससे पहले सुपरस्टार चिरंजीवी ने एक पोस्ट में लिखा था, हमारी सास, अल्लू रामलिंगय्या गारु की धर्मपत्नी, कनकरत्नम्मा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपने स्नेह, साहस और जीवन मूल्यों से पूरे परिवार को हमेशा मार्गदर्शन और प्रेरणा दी। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।

# परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, दो दिनों में कमाए ? 28.7 करोड़

**सिद्धार्थ** मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म ने रिलीज के पहले दो दिनों में ही 28.7 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने शुक्रवार को ?7.37 करोड़ की मजबूत ओपनिंग के साथ अपनी धमाकेदार एंट्री दर्ज कराई। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह शनिवार को और भी बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप कलेक्शन में 36.64 की जबरदस्त उछाल देखने को मिली। शनिवार को फिल्म ने ?10.07 करोड़ का कलेक्शन किया। इस तरह, भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन ?17.44 करोड़ रहा, जबकि दुनिया भर में फिल्म ने?28.7 करोड़ की कमाई कर ली है।

# 51 साल की मलाइका अरोड़ा को रिवीलिंग ड्रेस पहनना पड़ा भारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आए दिन लाइमलाइट में बनी रहती हैं. 51 साल की एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं. फिलहाल, मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने एक वीडियो को लेकर जमकर ट्रोल हो रही हैं. दरअसल, एक्ट्रेस पब्लिक प्लेस पर स्पॉट हुईं और पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद किया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह रिवीलिंग ड्रेस में नजर आ रही हैं और ये लोगों को पसंद नहीं आया. इसके बाद मलाइका अरोड़ा को जमकर निशाना बनाया गया है. आइए देखते हैं कि एक्ट्रेस ने ऐसा क्या पहना था.

## मलाइका अरोड़ा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्रा अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें आप देख सकते हैं कि मलाइका अरोड़ा नजर आ रही हैं और पैपराजी को मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने ब्रालेट पहन रखा है और अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है. मलाइका अरोड़ा को इस अंदाज में देखकर उनके तमाम चाहने वाले फैंस प्यार बरसा रहे हैं. वहीं, एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. एक यूजर ने लिखा है, ये स्टाइल नहीं बेशर्मी है. एक यूजर ने लिखा है, अपनी उम्र का खयाल रखो. एक यूजर ने लिखा है, पॉपुलर होने के लिए कम कपड़े पहनती है. एक यूजर ने लिखा है, ये क्या कपड़े पहन रखे हैं.

संडे ऑन साइकिलः

# अभिनेता जैकी श्रॉफ ने दिया हर रविवार साइकिल चलाने का संदेश

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में हर रविवार संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनने का संदेश दिया जाता है। मुंबई में आयोजित संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य खेल मंत्री रक्षा खडसे और अभिनेता जैकी

श्रॉफ मौजूद थे। फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया अभियान से सभी बच्चों को जुड़ना चाहिए। जब तक हमारे पैर में दम है, हमारा कदम आगे बढ़ सकता है। बच्चों को फोन, लैपटॉप सब चलाना चाहिए, लेकिन अपने शरीर के लिए उन्हें फिट इंडिया अभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अगर मजबूत होंगे तो हमारा राष्ट्र मजबूत होगा। हम सभी बच्चों को प्रेरित करने के लिए ही यहां आए हैं। युवाओं को कसरत, साइकिलिंग, योगा करना चाहिए। जान है तो जहान है। हर रविवार को साइकिलिंग करना चाहिए। यह हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। रक्षा खडसे ने कहा, मनसुख मांडविया के विजन के साथ पिछले एक साल से देशभर के अलग-अलग हिस्सों में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित होता है। रविवार को मैंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

# राणबीर की रामायण का 4000 करोड़ बजट सुन विवेक अग्निहोत्री को लगा झटका

मशहूर निर्देशक और निर्माता विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स आने वाले शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. वह अपनी इस अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं और इंटरव्यू दे रहे हैं. विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर विवाद भी हो रहा है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज होते ही तमाम लोग इसकी

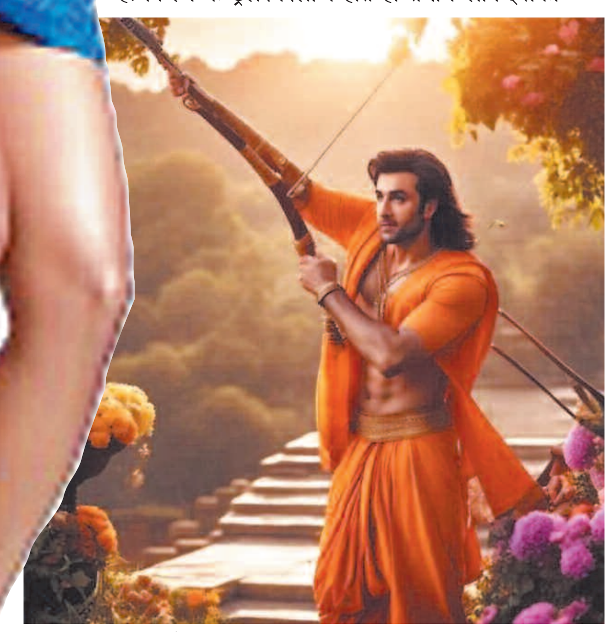

आलोचना कर रहे हैं. इसी बीच विवेक अग्निहोत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर कपूर की फिल्म रामायण के भारी बजट पर रिएक्शन दिया है. आइए जानते हैं कि फिल्म रामायण को लेकर डायरेक्टर ने क्या कहा है.

## विवेक अग्निहोत्री ने कही ये बात

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में फिल्मीज्ञान से बात करते हुए तमाम मुद्दों पर बात की है. इस दौरान उन्हें बताया गया कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये है. इस फिल्म का बजट सुनकर विवेक अग्निहोत्री को झटका लगा और उन्होंने इस पर रिएक्शन दिया है. उन्होंने कहा, 4000 करोड़ हिंदी फिल्म का बजट कैसे हो सकता है? डायरेक्टर को बताया गया कि ये फिल्म पूरी दुनिया के हिसाब से बनाई जा रही है. उन्होंने कहा, बन तो हिंदुस्तान में रही है, फिल्म आकाश में तो बन नहीं रही. कितना भी वीएफएक्स करोड़ कैसे हो सकता है. भगवान करे वो फिल्म बने लेकिन मैं हैरान हू. मैं 400 या 800 करोड़ रुपये तक समझ सकता हूं लकिन 4000 करोड़ रुपये कहां खर्च करें वो नहीं समझ पार रहे हैं.

## फिल्म रामायण दो पार्ट में होगी रिलीज

बताते चलें कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म के नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण का किरदार निभाने वाले हैं. फिल्म रामायण दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा. फिल्म का पहला पार्ट साल 2026 की दिवाली और दूसरा पार्ट साल 2027 की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा. इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए.

# कंगना रनौत और प्रियंका चोपड़ा के वकील रिजवान सिद्दीकी, रोज़लिन खान से हारे

**रिजवान** सिद्दीकी, जिन्होंने कंगना रनौत को ऋतिक रोशन के साथ हुए विवाद में कंगना को,और अलग क़ानूनी मामले में प्रियंका चोपड़ा को भी रिप्रेजेंट किया था, अब एक लंबे चले केस के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

2018 में, सिद्दीकी को ठाणे क्राइम ब्रांच ने एक प्राइवेट जासूस के जरिए कथित तौर पर कॉल डेटा रिकॉर्ड निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का नाम भी शामिल था। हालांकि उन्हें मुंबई की अदालत ने छोड़ दिया था, लेकिन अधिकारियों ने उनके खिलाफ सबूत होने की बात कही थी। अब, अभिनेत्री और कैंसर सर्वाइवर रोज़लिन खान उर्फ?रेहाना खान द्वारा शुरू की गई लगभग एक दशक लंबी लड़ाई के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पेशेवर दुराचार के आधार पर सिद्दीकी का वकालत करने का लाइसेंस दो साल के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला, जो मूल रूप से महाराष्ट्र में लंबित था, अंतिम निर्णय के लिए राष्ट्रीय न्याय संस्था को स्थानांतरित कर दिया गया था। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, रोज़लिन खान ने कहा, यह राहत सालों के उत्पीड़न, कलंक और शक्तिशाली लॉबी के दबाव के बाद मिली है। न्याय मांगने के लिए मुझे विवादास्पद करार दिया गया। अपराध को हल करने के बजाय, सिस्टम ने मेरे चरित्र को ही बदनाम करने की कोशिश की। यह फैसला सिर्फ मेरी जीत नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र में गहराई तक फैली हुई अन्याय को उजागर करता है और हर उस महिला को आवाज़ देता है जिसे शक्ति और हेरफेर से चुप कराया गया है। उन्होंने आगे कहा, मेरे 11 साल के दर्द की तुलना में दो साल का निलंबन पर्याप्त नहीं है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाऊंगी - यह तो बस शुरुआत है।

No Entry 2:

# दिलजीत दोसांझ ने नो एंट्री 2 को क्यों कहा अलविदा? सामने आई असली वजह

सलमान खान की फिल्म नो एंट्री के सीक्वल से पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ बाहर हो चुके हैं. वरुण धवन और अर्जुन कपूर की इस मूवी में दिलजीत भी नजर आने वाले थे, लेकिन अब वह इस फिल्म से बाहर हो चुके हैं. इसके पीछे की वजह का खुलासा खुद एक्टर ने किया है. बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक नो एंट्री 2 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे. इस फिल्म के लिए वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ दिलजीत दोसांझ का नाम भी फाइनल हुआ था, लेकिन अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलजीत इस मूवी का हिस्सा नहीं रहेंगे. ऐसे में अब एक्टर के फैंस यह जानना चाहते हैं कि, आखिर क्यों उन्हें ये बड़ा फैसला लेना पड़ा? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोड्यूसर बोनी कपूर और डायरेक्टर अनीस बज्मी इस साल अक्टूबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन दिलजीत दोसांझ का शेड्यूल इस दौरान बिल्कुल भी क्लियर नहीं है. दरअसल, 26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक दिलजीत ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अपने इंटरनेशनल टूर में बिजी रहेंगे. इसके अलावा उनके पास कुछ और फिल्म प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिसकी वजह से वह शूटिंग डेट्स एडजस्ट नहीं कर पाए. खबरों के मुताबिक, जुलाई में ही पहली बार दिलजीत के फिल्म से अलग होने की चर्चा शुरू हुई थी. इसके बाद बोनी कपूर ने उनसे मुलाकात कर शेड्यूल एडजस्ट करने की कोशिश भी की. क्योंकि मेकर्स चाहते थे कि दिलजीत इस फिल्म का हिस्सा बने रहें, लेकिन आखिर में दोनों तरफ से आपसी सहमति के साथ ये फैसला लिया गया कि दिलजीत फिल्म नहीं करेंगे.अब कौन होगा No Entry 2 में तीसरा एक्टर? दिलजीत दोसांझ के फिल्म से बाहर होने के बाद अब मेकर्स की मुश्किल ये है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ तीसरे एक्टर की तलाश करनी होगी. दिलजीत के बाहर होने से फिल्म के काम में थोड़ी देरी भी हो सकती है.